• जयपुर, बुधवार 22 जुलाई 26 • वर्ष 15 • अंक 264 • पृष्ठ : 8 • मूल्य : 1 रुपये

www.chamaktarajasthan.in| Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com

डाक पंजीयन संख्याः RJ/JPC/D19/2024-25

RNI. No. RAJHIN/2011/40950

राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त

सच के साथ मजबूती से बढ़ाये क़दम

सुविचार

''सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।''

● स्वामी विवेकानंद

चमकता राजस्थान

जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित

विज्ञापन के लिए : 93145 05000

अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, धौलपुर, हिडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, ब्यावर, जालोर, करौली, नागौर बीकानेर से प्रसारित

महंगाई और बेरोजगारी के मुद्दे पर प्रधानमंत्री आवास के बाहर कांग्रेस का धरना, राहुल-प्रियंका समेत कई नेता हिरासत में

नई दिल्ली/एजेंसी।

महंगाई, बेरोजगारी और अन्य जनहित के मुद्दों को लेकर कांग्रेस ने मंगलवार को प्रधानमंत्री आवास के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस सांसद और कार्यकर्ता धरने पर बैठे। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा भी मौजूद रहीं। बाद में पुलिस ने राहुल गांधी, प्रियंका गांधी सहित कई सांसदों को हिरासत में लेकर संसद मार्ग थाने पहुंचाया।

प्रदर्शन के दौरान राहुल गांधी ने कार्यकर्ताओं के साथ नारेबाजी की और सरकार पर जनता से जुड़े मुद्दों की अनदेखी करने का आरोप लगाया। वहीं प्रियंका गांधी धरना स्थल पर कार्यकर्ताओं के साथ बैठकर प्रदर्शन का नेतृत्व करती रहीं। जब प्रदर्शनकारी प्रधानमंत्री आवास की ओर बढने लगे तो सुरक्षा बलों ने बैरिकेडिंग कर उन्हें रोक दिया। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच धक्का-मुक्की और तीखी नोकझोंक भी हुई। राहुल गांधी ने पुलिस अधिकारियों से कहा कि लोकतंत्र में जनता के मुद्दे उठाना विपक्ष का अधिकार है और विरोध की आवाज को दबाया नहीं जा सकता। धरने में शामिल नेताओं और कार्यकर्ताओं के हाथों में तख्तियां तथा संविधान की प्रतियां थीं। बड़ी संख्या में सुरक्षा बल और मीडिया कर्मी भी मौके पर मौजूद रहे।

पीएम आवास के बाहर राहुल गांधी का धरना प्रदर्शन रात भर चलेगा : जयराम रमेश

नई दिल्ली/एजेंसी।

राष्ट्रीय राजधानी स्थित जंतर-मंतर पर एक दिन पहले सीजेपी के प्रदर्शन के दौरान दिल्ली पुलिस द्वारा किए गए लाठीचार्ज के विरोध में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस समेत कई सांसदों ने मंगलवार को प्रधानमंत्री आवास के बाहर धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे, प्रियंका गांधी वाड्रा और अन्य सांसद मौजूद रहे। प्रदर्शन के बीच केंद्रीय राज्यमंत्री जितेंद्र सिंह ने राहुल गांधी से मुलाकात की। उन्होंने प्रदर्शन समाप्त करने की अपील की, लेकिन राहुल गांधी ने इसे मानने से इनकार कर दिया। दोनों के बीच हुई बातचीत बेनतीजा रही। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने कहा कि राहुल गांधी का यह धरना प्रदर्शन रात भर चलेगा। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से इस पूरे मामले पर चुप्पी तोडने और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से बयान देने की मांग की। जयराम रमेश ने कहा, ₹अब हम चुप नहीं रहने वाले। राहुल गांधी का विरोध प्रदर्शन रात भर चलेगा। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद कर्मवीर बौद्ध ने कहा कि आज प्रजातंत्र खत्म है। संसद में विपक्ष को बोलने तक नहीं दिया जा रहा है। बच्चों को बर्बरता से पीटा जा रहा है। देश संविधान नहीं, मनुस्मृति के हिसाब से चलाया जा रहा है और यही कारण है कि आज कांग्रेस पार्टी सड़क पर है। भाजपा के लोग चढ़ावा चोर हैं।

जंतर-मंतर पर युवाओं का प्रदर्शन जारी, बड़ी संख्या में जुटे प्रदर्शनकारी

नई दिल्ली/एजेंसी। राजधानी के जंतर-मंतर पर मंगलवार को विभिन्न मांगों को लेकर युवाओं का प्रदर्शन लगातार जारी रहा। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए और सरकार से अपनी मांगों पर शीघ्र निर्णय लेने की अपील की। भीड़ को देखते हुए पूरे क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। सुबह से ही प्रदर्शनकारी जंतर-मंतर पहुंचने लगे और दिन चढने के साथ उनकी संख्या लगातार बढ़ती गई। हाथों में तख्तियां, बैनर और झंडे लेकर प्रदर्शनकारियों ने अपनी मांगों के समर्थन में नारे लगाए। मंच से वक्ताओं ने कहा कि लंबे समय से संबंधित मुद्दों के समाधान की मांग की जा रही है, लेकिन अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने के कारण आंदोलन जारी रखना पड़ रहा है। प्रदर्शन के कारण जंतर-मंतर, कनॉट प्लेस, टॉलस्टॉय मार्ग और अशोक रोड सहित आसपास के क्षेत्रों में यातायात प्रभावित रहा। कई मार्गों पर वाहनों की लंबी कतारें लगीं, जिसके चलते दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने वैकल्पिक मार्गों पर डायवर्जन लागू किया।

'छात्रों की आवाज को नजरअंदाज करना गलत',

राहुल गांधी ने भारतीय से धरने में शामिल होने की अपील की

नई दिल्ली/एजेंसी।

नई दिल्ली में छात्रों पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में कांग्रेस ने प्रधानमंत्री आवास तक मार्च निकाला। इस बीच लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार को घेरा। लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि छात्रों पर हमला हर भारतीय परिवार पर हमला है। प्रधानमंत्री को लगता है कि वे बिना जवाब दिए और बिना किसी नतीजे का सामना किए बच निकलेंगे, लेकिन वह ऐसा नहीं कर पाएंगे, इस बार तो बिल्कुल नहीं। उन्होंने आगे कहा कि मैं हर उस देशभक्त भारतीय से अपील करता हूं जो मानता है कि हमारे छात्रों को न्याय मिलना चाहिए- प्रधानमंत्री आवास के सामने हमारे धरने में शामिल हों।

नियमित अभ्यास से मजबूत होती है एकाग्रता और संकल्प शक्तिः प्रधानमंत्री मोदी

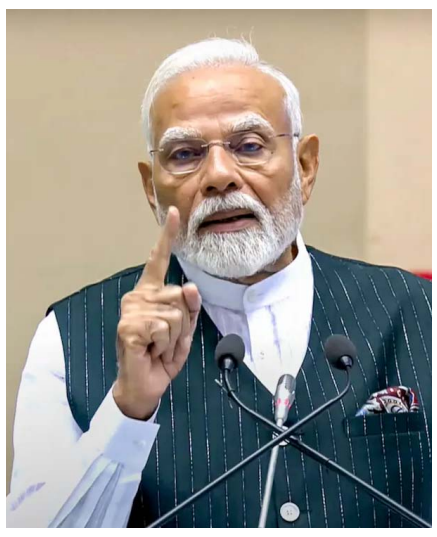

नई दिल्ली/एजेंसी।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने एकाग्रता, दृढ़ संकल्प और निरंतर अभ्यास के महत्व को रेखांकित करते हुए मंगलवार को एक प्रेरणादायी संस्कृत सुभाषितम् साझा किया। उन्होंने कहा कि नियमित अभ्यास और समर्पित प्रयास से एकाग्रता तथा इच्छाशक्ति को निरंतर विकसित और सशक्त बनाया जा सकता है।

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर संस्कृत सुभाषितम्-साझा करते हुए लिखा–

एकाग्रताथ सङ्कल्पः स्नायुवद् वर्द्धनक्षमौ।
नित्याभ्यासप्रयोगाभ्यामधिकाधिकमृध्यतः॥

इस सुभाषितम् का भावार्थ स्पष्ट करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि एकाग्रता और संकल्प हमारे स्नायु तंत्र की भांति हैं। नियमित अभ्यास और सही प्रयासों के माध्यम से इन्हें विकसित और मजबूत बनाया जा सकता है। समय के साथ ये दोनों और अधिक दृढ़ तथा प्रभावशाली बनते जाते हैं।

प्रधानमंत्री ने अपने संदेश के माध्यम से यह प्रेरणा दी कि किसी भी क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने के लिए केवल प्रतिभा ही पर्याप्त नहीं होती, बल्कि निरंतर अभ्यास, समर्पण और अटूट इच्छाशक्ति भी उतनी ही आवश्यक होती है। उन्होंने संकेत दिया कि नियमित प्रयासों से व्यक्ति अपनी मानसिक क्षमता, एकाग्रता और संकल्प शक्ति को निरंतर बेहतर बना सकता है। प्रधानमंत्री का यह प्रेरक संदेश विद्यार्थियों, युवाओं, पेशेवरों और जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में लक्ष्य हासिल करने का प्रयास कर रहे लोगों के लिए प्रेरणास्रोत माना जा रहा है।

खेल-खेल में राष्ट्र निर्माण से जुड़ेंगे राजस्थान के युवा

युवाओं की शक्ति को सामर्थ्य में बदलने की क्रांतिकारी पहल

मुख्यमंत्री युवा सुयोग का शुभारंभ कार्यक्रम

पंचायत और वार्डों में विकसित होगा युवा नेतृत्वः मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

खेल, कौशल विकास और रोजगार से जोड़ने के लिए युवा सुयोग बनेगा बदलाव का माध्यम

चमकता राजस्थान

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने खेल-खेल में युवाओं को राष्ट्र निर्माण, खेल और कौशल विकास से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर मुख्यमंत्री युवा सुयोग का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश के युवाओं की शक्ति को सामर्थ्य में बदलने के लिए युवा सुयोग प्लेटफॉर्म एक सही दिशा, सही अवसर और सही मंच उपलब्ध कराएगा। क्रिकेट, वॉलीबॉल, कबड्डी और फुटबॉल जैसे सामूहिक खेलों के माध्यम से प्रदेश की प्रत्येक पंचायत और वार्ड में युवा नेतृत्व विकसित होगा और वे अपनी प्रतिभा के अनुरूप आगे बढ़ेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लगभग 65 प्रतिशत युवा आबादी के साथ हमारा देश विश्व का सबसे युवा देश है। यही युवा शक्ति भारत की सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने युवा शक्ति को राष्ट्र-निर्माण में सक्रिय सहभागी बनाने के लिए माय भारत की अभिनव पहल की है। इसी से प्रेरणा लेते हुए राज्य सरकार ने सुयोग प्लेटफार्म जैसी क्रांतिकारी शुरूआत की है। इस प्लेटफॉर्म को माय भारत पोर्टल के साथ एकीकृत किया जाएगा, ताकि युवा को इसका अधिक से अधिक लाभ मिल सके।

बगरू विधानसभा क्षेत्र और बारां जिले से हुई शुरूआत, युवाओं ने मुख्यमंत्री का जताया आभार

● पहली से लेकर अंतिम सीढ़ी तक युवाओं का सहयोग कर रही राज्य सरकार

उन्होंने कहा कि युवाओं को खेलने का मौका मिलता रहे और उनकी रूचि विकसित हो, इसके लिए राज्य सरकार संकल्पित होकर कार्य कर रही है। गांव से लेकर कस्बों तक खेल सुविधाओं एवं सेवाओं का निरंतर विस्तार किया जा रहा है। हमारी सरकार युवाओं से विभिन्न विषयों पर संवाद कर उनके सुझावों को बजट में शामिल कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में हर क्षेत्र में कार्य करते हुए युवाओं को सफलता की पहली से लेकर अंतिम सीढ़ी तक की यात्रा में पूर्ण सहयोग कर रही है।

● युवाओं की निखरेगी प्रतिभा, खेल मैदानों की होगी डिजिटल पहचान

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की मंशा है कि युवाओं के सुझावों के मुख्य आधार पर ही खेल की नीतियां तैयार की जाए। इसी क्रम में युवा सुयोग के अंतर्गत राज्य सरकार जमीनी स्तर पर प्रतियोगिताओं की शुरूआत करेगी। वार्ड और पंचायत स्तर से आगे बढ़कर विजेता टीमें विधानसभा क्षेत्र स्तर पर अपना हुनर दिखाएंगी और युवाओं को आगे बढ़ने का मौका मिलेगा। युवा इसके लिए सुयोग पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करवा सकेंगे। उन्होंने कहा कि इसके लिए स्कूल, कॉलेज तथा पंचायत और वार्ड के खेल मैदानों की डिजिटल पहचान भी की जाएगी।

● मुख्यमंत्री ने किया खिलाड़ियों और युवाओं से संवाद

मुख्यमंत्री ने बारां और बगरू के खिलाड़ियों और युवाओं से संवाद करते हुए उनके विचार जाने। युवाओं ने कहा कि मुख्यमंत्री की इस पहल से ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का प्रभावी मंच मिलेगा। साथ ही, युवाओं को कौशल प्रशिक्षण एवं रोजगार के अवसर भी सुलभ होंगे। इस पर मुख्यमंत्री ने युवाओं से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और समाज में स्वास्थ्य जागरूकता के अभियान को जनआंदोलन बनाने का आ''ान किया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि स्थानीय प्रतिभाएं खेल के मैदान में देश और प्रदेश का नाम रोशन करेंगी

बगरू विधायक डॉ. कैलाश वर्मा ने कहा कि अनुशासित युवा विकसित राजस्थान के उज्ज्वल भविष्य की बुनियाद है। युवा हितों की दिशा में युवा सुयोग अनुपम पहल है। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि युवा सुयोग महज एक खेल योजना नहीं है, बल्कि खेल प्रतिभाओं को प्रभावी मंच उपलब्ध करवाने का माध्यम है, जो कि स्थानीय स्तर पर खेल प्रतिभाओं को तलाशेगा और तराशेगा। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, विधि एवं न्याय मंत्री जोगाराम पटेल, विधायक गोपाल शर्मा, कैलाश वर्मा, अतिरिक्त मुख्य सचिव, युवा मामले एवं खेल प्रवीण गुप्ता सहित बड़ी संख्या में युवा उपस्थित रहे। वहीं, बारां विधायक ललित मीणा के नेतृत्व में स्थानीय युवा तथा विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों से युवा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम से जुड़े।

● जिला स्तरीय सुयोग युवा क्लब बनेंगे, पंचायत-वार्ड क्लबों से जुड़ेंगे

उन्होंने कहा कि सुयोग प्लेटफार्म एक डिजिटल क्रांति है जो प्रदेश के हर गांव, हर वार्ड के अंतिम पंक्ति के युवाओं की टैजकिंग कर उन्हें मुख्यधारा से जोड़ेगी। इसके माध्यम से बड़ा सामाजिक बदलाव आएगा। उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर सुयोग युवा क्लब स्थापित किए जाएंगे, जिनमें सुयोग प्लेटफॉर्म पर पंजीकृत प्रत्येक युवा सदस्य होगा। ये जिला क्लब ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायत स्तर और शहरी क्षेत्रों में वार्ड स्तर के युवा क्लबों से जुड़ेंगे। प्रारंभिक रूप से बगरू विधानसभा क्षेत्र और बारां जिले से पायलट प्रोजेक्ट के रूप में इसकी शुरूआत जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि युवा सुयोग के अंतर्गत स्कूलों, कॉलेजों और सामुदायिक केंद्रों पर विशेष पंजीकरण शिविर लगाए जाएंगे। युवाओं की नेतृत्व क्षमता को परखने के लिए स्वच्छता अभियान और डिजिटल साक्षरता जैसे स्वयंसेवक कार्य शिविर भी आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सुयोग-चर्चा के तहत युवा संवाद, टॉक शो और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अपनी बात रख सकेंगे।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने युवाओं को सक्षम और सशक्त बनाने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय किए हैं। गत ढाई वर्षों में युवाओं को लगभग 1 लाख 78 हजार से अधिक सरकारी पदों पर नियुक्तियां दी जा चुकी हैं। करीब 1 लाख पदों पर भर्ती की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है और सवा लाख पदों के लिए भर्ती कैलेंडर जारी किया गया है। साढ़े चार लाख युवाओं को निजी क्षेत्र में भी रोजगार प्रदान किया गया है। वहीं, इस दौरान एक भी पेपर लीक नहीं हुआ और सभी भर्ती परिक्षाएं पूरी पारदर्शिता के साथ आयोजित की गई।

उन्होंने कहा कि युवाओं को गुणवत्तापूर्ण कौशल प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राज्य कौशल नीति-2025 और राजस्थान युवा नीति-2025 लाई गई है। इसी प्रकार साढ़े तीन लाख से अधिक युवाओं को कौशल प्रशिक्षण, मुख्यमंत्री युवा संबल योजना के तहत 4 लाख से अधिक आशार्थियों को 1 हजार 347 करोड़ रुपये की राशि एवं साढ़े चार हजार से अधिक स्टार्टअप्स का पंजीकरण सहित कई परिणामोन्मुखी निर्णय किए गए हैं।

सुभाषितम्

देश की रक्षा राजा की सेना नहीं करती, देश की प्रजा करती है। - लक्ष्मीनारायण मिश्र

कैंसर की महंगी दवाएं–जीवन का अधिकार बनाम इलाज की कीमत

कैंसर आज केवल एक गंभीर बीमारी नहीं, बल्कि देश की स्वास्थ्य व्यवस्था के सामने खड़ी सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। चिकित्सा विज्ञान ने कैंसर के उपचार में उल्लेखनीय प्रगति की है और नई जीवनरक्षक दवाओं ने लाखों मरीजों को नई उम्मीद दी है। किंतु विडंबना यह है कि इन आधुनिक दवाओं की अत्यधिक कीमतें गरीब और मध्यम वर्ग के लिए इलाज को लगभग असंभव बना देती हैं। ऐसे में प्रश्न केवल चिकित्सा का नहीं, बल्कि जीवन के संवैधानिक अधिकार का बन जाता है।

हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने कैंसर की महंगी दवाओं के मुद्दे पर केंद्र सरकार से जवाब तलब करते हुए महत्वपूर्ण टिप्पणी की। अदालत ने उस कैंसर मरीज की मृत्यु पर गहरी चिंता व्यक्त की, जो जीवनरक्षक दवाओं को किफायती बनाने से संबंधित मामले के निर्णय की प्रतीक्षा करते-करते दुनिया से विदा हो गया। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि यह केवल दवाओं की कीमत का विवाद नहीं है, बल्कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के अंतर्गत प्रत्येक नागरिक को प्राप्त जीवन और गरिमा के अधिकार का प्रश्न है। यह टिप्पणी देश की स्वास्थ्य नीति के लिए एक गंभीर संदेश है कि न्याय में देरी कई बार जीवन की हानि का कारण बन जाती है।

वास्तविकता यह है कि भारत में हर वर्ष लाखों लोग कैंसर से प्रभावित होते हैं। आधुनिक लक्षित और इम्यूनोथेरेपी दवाओं की कीमत कई बार लाखों रुपये प्रति माह तक पहुंच जाती है। अधिकांश परिवार इतनी बड़ी राशि वहन करने में सक्षम नहीं होते। परिणामस्वरूप अनेक लोग अपनी वर्षों की जमा-पूंजी खर्च कर देते हैं, कर्ज लेने पर मजबूर हो जाते हैं, जमीन-जायदाद बेच देते हैं या फिर आर्थिक तंगी के कारण बीच में ही इलाज छोड़ने को विवश हो जाते हैं। ऐसे अनेक मामलों में बीमारी से पहले आर्थिक संकट परिवार को तोड़ देता है।

दूसरी ओर यह भी सत्य है कि नई दवाओं के अनुसंधान, परीक्षण और विकास में दवा कंपनियां अरबों रुपये का निवेश करती हैं। पेटेंट व्यवस्था उन्हें सीमित अवधि तक अपने आविष्कार का आर्थिक लाभ प्राप्त करने का अधिकार देती है, जिससे भविष्य के अनुसंधान को भी प्रोत्साहन मिलता है। इसलिए नवाचार और अनुसंधान की रक्षा आवश्यक है। किंतु जब जीवनरक्षक दवाएं आम नागरिक की पहुंच से बाहर हो जाएं, तब सरकार का दायित्व और भी बढ़ जाता है कि वह जनहित और व्यावसायिक हितों के बीच संतुलन स्थापित करे। इस दिशा में सरकार को बहुआयामी कदम उठाने होंगे। आवश्यक कैंसर रोधी दवाओं को मूल्य नियंत्रण के दायरे में लाना, गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाओं को बढ़ावा देना, सरकारी अस्पतालों में इन दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करना, आयुष्मान भारत जैसी स्वास्थ्य बीमा योजनाओं का दायरा बढ़ाना तथा जरूरत पड़ने पर सार्वजनिक हित में पेटेंट कानूनों के अंतर्गत उपलब्ध प्रावधानों का विवेकपूर्ण उपयोग करना समय की मांग है। साथ ही, देश में दवा अनुसंधान और घरेलू उत्पादन को प्रोत्साहित कर आयात पर निर्भरता कम करना भी दीर्घकालिक समाधान का महत्वपूर्ण हिस्सा हो सकता है।

सुप्रीम कोर्ट का हस्तक्षेप इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि उसने एक बार फिर यह स्पष्ट किया है कि न्यायपालिका केवल कानून की व्याख्या करने वाली संस्था नहीं, बल्कि नागरिकों के मौलिक अधिकारों की संरक्षक भी है। स्वास्थ्य से जुड़े मामलों में समय पर निर्णय अत्यंत आवश्यक हैं, क्योंकि यहां विलंब का अर्थ कई बार किसी व्यक्ति का जीवन समाप्त हो जाना होता है। इसलिए ऐसे मामलों के त्वरित निपटारे के लिए विशेष व्यवस्था की आवश्यकता है। एक लोकतांत्रिक और कल्याणकारी राष्ट्र की पहचान केवल आर्थिक विकास से नहीं होती, बल्कि इस बात से होती है कि वह अपने सबसे कमजोर और गंभीर बीमारी से जूझ रहे नागरिकों को कितना सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन प्रदान कर पाता है। कैंसर की दवाएं कोई विलासिता की वस्तु नहीं, बल्कि जीवन बचाने का अनिवार्य साधन हैं। इसलिए सरकार, दवा उद्योग, चिकित्सा समुदाय और न्यायपालिका–सभी को मिलकर ऐसा संतुलित और मानवीय समाधान विकसित करना होगा, जिसमें अनुसंधान और नवाचार भी सुरक्षित रहें तथा कोई भी मरीज केवल आर्थिक अभाव के कारण जीवनरक्षक उपचार से वंचित न रह जाए। आज आवश्यकता इस बात की है कि स्वास्थ्य को खर्च नहीं, बल्कि निवेश माना जाए। जब जीवन बचाने वाली दवाएं हर जरूरतमंद तक किफायती कीमत पर पहुंचेंगी, तभी संविधान में निहित जीवन के अधिकार की वास्तविक भावना साकार होगी और भारत एक संवेदनशील, समावेशी एवं उत्तरदायी स्वास्थ्य व्यवस्था की दिशा में सशक्त कदम बढ़ा सकेगा।

- सौरभ वार्ष्णेय

संसद का मानसून सत्र, सड़कों का संघर्ष और लोकतांत्रिक असहमति की अग्निपरीक्षा बैरिकेडों में घिरा लोकतंत्र या सुरक्षा की अनिवार्यता?

विनोद कुमार सिंह

भारत का लोकतंत्र केवल संसद भवन की चारदीवारी तक सीमित नहीं है। उसकी वास्तविक शक्ति संसद के भीतर होने वाली बहस और संसद के बाहर जनता की आवाज-दोनों के संतुलन में निहित है।संसद कानून बनाती है, जबकि जनता समय-समय पर आंदोलनों के माध्यम से सत्ता को आईना दिखाती है। किंतु जब संसद की ओर बढ़ते कदमों को बैरिकेड, लाठी, आँसू गैस और अभूतपूर्व सुरक्षा घेरे का सामना करना पड़े, तब प्रश्न केवल कानून-व्यवस्था का नहीं रह जाता; वह लोकतंत्र की आत्मा से जुड़ा प्रश्न बन जाता है। संसद के वर्तमान मानसून सत्र ने एक बार फिर यह बहस छेड़ दी है कि क्या भारत में लोकतांत्रिक असहमति का दायरा सिमट रहा है, अथवा सुरक्षा चुनौतियों के कारण प्रशासन पहले से अधिक सतर्क और कठोर हो गया है। यह प्रश्न इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि संसद केवल जनप्रतिनिधियों का भवन नहीं, बल्कि देश की 140 करोड़ जनता की लोकतांत्रिक आकांक्षाओं का सर्वोच्च प्रतीक है। भारतीय लोकतंत्र का इतिहास बताता है कि बड़े राजनीतिक परिवर्तन केवल संसद के भीतर नहीं हुए। सन 1974 का लोकनायक जयप्रकाश नारायण का आंदोलन सत्ता परिवर्तन का कारण बना। 1975 का आपातकाल लोकतांत्रिक अधिकारों पर सबसे बड़ा प्रहार माना गया।

2011 में अन्ना हजारे के जनलोकपाल आंदोलन ने भ्रष्टाचार के विरुद्ध देशव्यापी जनमत तैयार किया और राजनीति की दिशा बदल दी। 2020-21के किसान आंदोलन ने अंततः केंद्र सरकार को तीन कृषि कानून वापस लेने पर विवश किया। इन घटनाओं ने सिद्ध किया कि लोकतंत्र में संसद और सड़क कभी विरोधी नहीं, बल्कि एक-दूसरे को दिशा देने वाली संस्थाएँ रही हैं। इसी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में वर्तमान मानसून सत्र के दौरान राजधानी दिल्ली का दृश्य अनेक प्रश्न छोड़ जाता है। संसद मार्ग और उसके आसपास का इलाका अभूतपूर्व सुरक्षा घेरे में बदल गया। बहुस्तरीय बैरिकेडिंग, बड़ी संख्या में दिल्ली पुलिस और अर्द्धसैनिक बलों की तैनाती, संवेदनशील क्षेत्रों में प्रवेश नियंत्रण तथा प्रदर्शनकारियों को संसद तक पहुँचने से रोकने के लिए व्यापक सुरक्षा प्रबंध किए गए। प्रशासन ने इसे संसद की सुरक्षा के लिए आवश्यक बताया, जबकि विपक्षी दलों और प्रदर्शनकारियों ने इसे लोकतांत्रिक विरोध पर कठोर अंकुश बताया। लोकतंत्र में सुरक्षा और स्वतंत्रता दोनों समान रूप से आवश्यक हैं।

संसद की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। 13 दिसंबर 2001 को संसद पर हुए आतंकी हमले के बाद सुरक्षा व्यवस्था में व्यापक परिवर्तन किए गए थे। इसके बाद संसद परिसर को देश के सबसे सुरक्षित क्षेत्रों में विकसित किया गया। इसलिए सुरक्षा एजेंसियों की अतिरिक्त सतर्कता असामान्य नहीं कही जा सकती। किंतु दूसरी ओर यह भी उतना ही सत्य है कि भारतीय संविधान का अनुच्छेद 19 नागरिकों को शांतिपूर्ण और अहिंसक ढंग से अपनी बात रखने का अधिकार भी देता है। लोकतंत्र की कसौटी यही है कि सुरक्षा और स्वतंत्रता के बीच संतुलन कैसे बनाया जाए। वर्तमान घटनाक्रम में सबसे अधिक चिंता का विषय संवाद का अभाव दिखाई देता है। जब सरकार और आंदोलनकारी दोनों स्वयं को सही साबित करने में लग जाएँ और संवाद की जगह टकराव ले ले, तब लोकतंत्र का नैतिक बल कमजोर पड़ने लगता है। संसद के भीतर यदि बहस बाधित हो और बाहर विरोध को केवल कानून- व्यवस्था का विषय मान लिया जाए, तो लोकतांत्रिक प्रक्रिया अधूरी रह जाती है। विपक्ष ने आरोप लगाया कि प्रदर्शनकारियों के साथ आवश्यकता से अधिक कठोरता बरती गई, जबकि प्रशासन का कहना है कि संसद की सुरक्षा सर्वोपरि थी और निषेधाज्ञा का उल्लंघन स्वीकार नहीं किया जा सकता। दोनों पक्षों के अपने-अपने तर्क हैं। किंतु सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या ऐसी परिस्थितियों से बचा जा सकता था? क्या संवाद, समन्वय और बेहतर भीड़-प्रबंधन से टकराव टाला जा सकता था? राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आँकड़े बताते हैं कि देश में सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस पर लगातार दबाव बढ़ा है।

दूसरी ओर विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय लोकतांत्रिक सूचकांकों में भारत में नागरिक स्वतंत्रताओं और विरोध प्रदर्शनों को लेकर समय-समय पर बहस होती रही है। यही कारण है कि संसद मार्ग पर होने वाली प्रत्येक घटना केवल दिल्ली तक सीमित नहीं रहती,बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी लोकतांत्रिक विमर्श का हिस्सा बन जाती है। इतिहास बताता है कि किसी भी लोकतंत्र की शक्ति उसके विरोध को सुनने की क्षमता में होती है। ब्रिटेन, अमेरिका, फ्रांस और अन्य लोकतांत्रिक देशों में भी संसदों के बाहर बड़े प्रदर्शन होते रहे हैं। कई बार पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ता है, किंतु अंततः समाधान संवाद और राजनीतिक सहमति से ही निकलता है। भारत भी इसी लोकतांत्रिक परंपरा का उत्तराधिकारी है। आज आवश्यकता किसी राजनीतिक विजय की नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक विश्वास की पुनर्स्थापना की है। सरकार को यह विश्वास दिलाना होगा कि असहमति को राष्ट्र-विरोध नहीं माना जाएगा। विपक्ष को भी यह सुनिश्चित करना होगा कि लोकतांत्रिक विरोध हिंसा, अव्यवस्था या सार्वजनिक संपत्ति के नुकसान में परिवर्तित न हो। पुलिस की भूमिका भी पूरी तरह निष्पक्ष, संयमित और कानून सम्मत होनी चाहिए, क्योंकि लोकतंत्र में पुलिस किसी सरकार की नहीं, बल्कि संविधान की प्रहरी होती है। घायल कितने हुए, कितनों को हिरासत में लिया गया और किसने पहले बैरिकेड तोड़ा- इतिहास अंततः इन प्रश्नों को पीछे छोड़ देता है।

इतिहास केवल इतना याद रखता है कि उस समय लोकतंत्र ने संवाद चुना था या टकराव। संसद का सम्मान तभी सुरक्षित रहेगा जब जनता को भी यह विश्वास होगा कि उसकी आवाज संसद तक पहुँच सकती है। संसद का वर्तमान मानसून सत्र समाप्त हो जाएगा। राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप भी बदल जाएँगे, लेकिन यह प्रश्न बना रहेगा कि क्या भारत का लोकतंत्र असहमति को अपने भीतर समाहित करने की क्षमता और अधिक मजबूत करेगा या बैरिकेडों के दोनों ओर खड़े लोग एक-दूसरे को केवल प्रतिद्वंद्वी के रूप में देखते रहेंगे। लोकतंत्र की सबसे बड़ी विजय किसी एक दल की जीत में नहीं, बल्कि उस व्यवस्था में होती है जहाँ संसद की गरिमा भी सुरक्षित रहे और नागरिक की आवाज भी सम्मानपूर्वक सुनी जाए। यही भारतीय गणराज्य की आत्मा है, यही संविधान की भावना है और यही लोकतंत्र का स्थायी मार्ग भी।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)

संसद मार्च : सीजेपी की अराजकता, ये भारत के युवा नहीं हो सकते?

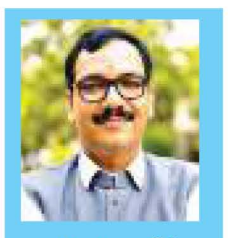

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

दिल्ली में संसद मार्च के दौरान सामने आए दृश्य आज प्रत्येक देशभक्त भारतवासी को चिंता में डाल रहे हैं। जिसने भी इन्हें देखा, प्रतिक्रिया एक ही सामने आ रही थी, ये अराजकता भारत के युवा चरित्र पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाती है। यदि लोकतांत्रिक विरोध के नाम पर बैरिकेड तोड़े जाएं, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाया जाए, पुलिस पर पथराव हो, संसद तक बलपूर्वक पहुंचने का प्रयास किया जाए और सोशल मीडिया पर भड़काऊ भाषणों तथा अपुष्ट सूचनाओं के माध्यम से वातावरण को और उग्र बनाया जाए, तब स्वाभाविक रूप से यही कहा जाएगा कि क्या यही वह युवा है, जिसकी कल्पना स्वामी विवेकानन्द, महर्षि अरविन्द, महात्मा गांधी और डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जैसे भारत के महान देशभक्तों ने की थी?

स्वामी विवेकानन्द ने भारत के युवाओं के लिए ऊजार्वान के साथ चरित्रवान होने का स्वप्न देखा था। उनका प्रसिद्ध कथन है, 'हमें ऐसी शिक्षा चाहिए जिससे चरित्र का निर्माण हो, मन की शक्ति बढ़े, बुद्धि का विकास हो और मनुष्य अपने पैरों पर खड़ा हो सके।' उन्होंने युवाओं से 'उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए' का आह्वान अवश्य किया, किंतु कहीं भी यह नहीं कहा कि लक्ष्य प्राप्ति के लिए कानून तोड़ो, हिंसा करो या समाज में अराजकता फैलाओ। विवेकानन्द के लिए युवा वह था, जो अपने आत्मबल, संयम और राष्ट्रभक्ति से समाज का नेतृत्व करे।

महर्षि अरविन्द भी भारत के युवाओं को राष्ट्र की आध्यात्मिक और नैतिक शक्ति मानते हैं। उनका विश्वास है कि भारत का पुनर्जागरण राजनीतिक के स्थान पर चरित्रवान युवाओं से होगा, क्योंकि राष्ट्र निर्माण का आधार आत्मानुशासन है। यही कारण है कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम में जितने भी महान युवा सामने आए, उन्होंने संघर्ष अवश्य किया, परंतु राष्ट्र

की संपत्ति को नष्ट करना, समाज में भय का वातावरण बनाना अथवा भीड़ के उन्माद को नेतृत्व मानना कभी स्वीकार नहीं किया।

यहां महात्मा गांधी के विचारों को भी समझना उपर्युक्त होगा, वे कहते हैं, 'अहिंसा निर्बलों का नहीं, वीरों का अस्त्र है।' लोकतंत्र में असहमति का अधिकार मौलिक है, किंतु हिंसा किसी भी आंदोलन की नैतिक शक्ति को समाप्त कर देती है। यदि किसी आंदोलन का परिणाम आम नागरिकों की पीड़ा, सार्वजनिक संपत्ति की क्षति और कानून-व्यवस्था का संकट बन जाए, तो वह जनांदोलन कैसे कहला सकता है? वह तो लोकतांत्रिक मयार्दाओं को तोड़ने का कार्य है। विरोध और विध्वंस में यही मूल अंतर है, जिसे कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) को अपने प्रदर्शन के दौरान समझना चाहिए था।

क्या आज हम इस तथ्य को नजरअंदाज कर सकते हैं कि भारत विश्व का सबसे युवा राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर है। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) के अनुसार देश की लगभग 65 प्रतिशत जनसंख्या 35 वर्ष से कम आयु की है। यही युवा भारत की सबसे बड़ी शक्ति है, किंतु यदि यह शक्ति राष्ट्र निर्माण के स्थान पर अराजकता की दिशा में मुड़ जाए, तब फिर क्या कहा जाएगा, सच पूछिए तो यही स्थिति एक सफल देश के लिए उसकी सबसे बड़ी त्रासदी बन जाती है, जैसा कि दृश्य दिल्ली में दिखा है।

संसद मार्च के दौरान जो घटनाएं सामने आईं, वस्तुतः उनमें प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान, यातायात का ठप हो जाना तथा सोशल मीडिया पर उग्र और विवादित वीडियो का प्रसार, इन सबने लोकतांत्रिक विरोध और भीड़तंत्र के बीच की रेखा को आज पुनः चर्चा के केंद्र में ला दिया है। कई वायरल वीडियो की आधिकारिक पुष्टि नहीं होने के बाद भी जिस तरह से उनका प्रसार किया जा रहा था, उससे यही समझ आता है कि भारत को कैसे अराजक बनाया जा सकता है, इसके लिए लगता है, देश में कई शक्तियां कार्य कर रही हैं जोकि इस शांति मार्च के नाम पर एक साथ आती हुई दिखीं।

एक दूसरा दृश्य भी भारत में दिखता है, जिसमें स्टार्टअप, डिजिटल अर्थव्यवस्था, अंतरिक्ष विज्ञान, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर, रक्षा उत्पादन और वैश्विक नेतृत्व की ओर तेजी से बढ़ना शामिल। चंद्रयान, आदित्य-एल1, डिजिटल भुगतान, नवाचार और विश्वस्तरीय स्टार्टअप पारिस्थितिकी ने यह सिद्ध किया है कि जब भारतीय युवा अपनी प्रतिभा का उपयोग निर्माण में करता है, तो वह पूरी दुनिया को चकित कर देता है। दूसरी ओर जब इन्हीं युवाओं का एक वर्ग अपनी ऊर्जा हिंसा, तोड़फोड़ और भीड़ के उन्माद में व्यर्थ करता दिखता है, तो यह राष्ट्रीय क्षमता की हानि के रूप में दिखाई देता है।

इस पूरे घटनाक्रम का एक और चिंताजनक पक्ष सोशल मीडिया की भूमिका है। आज कुछ सेकंड का वीडियो लाखों लोगों की भावनाओं को प्रभावित कर देता है। बिना सत्यापन के प्रसारित दावे, उत्तेजक भाषण और आधी-अधूरी सूचनाएं भीड़ को भड़काने का माध्यम बन जाती हैं। उन राजनीतिक दलों को भी आत्ममंथन करना चाहिए, जोकि अपने हित में देश की युवा शक्ति का गलत इस्तेमाल करते हैं। युवा शक्ति को राजनीतिक प्रदर्शन का औजार बनाना किसी भी लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत कभी नहीं हो सकता। ध्यान रहे, लोकतंत्र में सत्ता बदल सकती है, सरकारें बदल सकती हैं, लेकिन यदि युवा पीढ़ी का चरित्र बदल गया तो उसकी भरपाई किसी राजनीतिक परिवर्तन से नहीं हो सकेगी।

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम कहा कहते थे, 'सपने वे नहीं होते जो हम सोते समय देखते हैं, बल्कि सपने वे होते हैं जो हमें सोने नहीं देते।' उनका सपना ऐसा भारत था, जहाँ युवा प्रयोगशालाओं में शोध करें, उद्योग स्थापित करें, विज्ञान और तकनीक में दुनिया का नेतृत्व करें तथा समाज को नई दिशा दें। वास्तव में इस परिभाषा से वही भारत का वास्तविक युवा है जो निर्माण करता है, विनाश नहीं; जो समाधान खोजता है, संकट नहीं बढ़ाता; जो राष्ट्र को जोड़ता है, तोड़ता नहीं और न ही दिल्ली जैसी अराजकता बिल्डिंगों में घुसकर एवं खड़े वाहनों में तोड़-फोड़ करके फैलाता है!

आज जो भी देश में अराजकता व्याप्ति में लगे हैं, वे समझ लें कि पत्थर कभी विचार का स्थान नहीं ले सकते और भीड़ कभी चरित्र का विकल्प नहीं बन सकती। स्वामी विवेकानन्द का युवा हाथ में पुस्तक लेकर चलता है; वह किसी पर पत्थर फैककर सार्वजनिक संपत्ति को नष्ट नहीं करता है, वह तो राष्ट्र की संपत्ति बढ़ाता है और समाज को संगठित करता है, इसलिए संसद मार्च की घटनाओं के बाद सबसे बड़ा प्रश्न 'कॉकरोच जनता पार्टी'(सीजेपी) यही है कि वे अपने आन्दोलन से भारत के युवाओं को किस दिशा में ले जा रही है?

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

समान नागरिक संहिता : संविधान के अधूरे संकल्प से सामाजिक समरसता की ओर

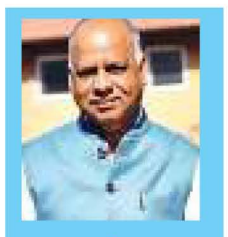

कृष्णमोहन झा

भारत का संविधान केवल शासन संचालन का दस्तावेज नहीं है, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का भी घोषणापत्र है। संविधान निमार्ताओं ने एक ऐसे राष्ट्र की कल्पना की थी, जहाँ नागरिकों के अधिकार उनके धर्म, जाति या पंथ से नहीं, बल्कि उनकी नागरिकता से निर्धारित हों। इसी सोच का प्रतिबिंब संविधान के नीति-निर्देशक तत्वों में शामिल अनुच्छेद 44 में दिखाई देता है, जिसमें राज्य से अपेक्षा की गई है कि वह नागरिकों के लिए समान नागरिक संहिता लागू करने का प्रयास करेगा। स्वतंत्रता के लगभग आठ दशक बाद मध्यप्रदेश इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ा रहा है। राज्य मंत्रिमंडल द्वारा समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक को स्वीकृति दिए जाने और उसे विधानसभा में प्रस्तुत किए जाने के साथ यह विषय एक बार फिर राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में है।

समान नागरिक संहिता का विचार नया नहीं है। संविधान सभा में इस विषय पर व्यापक चर्चा हुई थी। डॉ. भीमराव आंबेडकर का मत था कि आधुनिक लोकतांत्रिक राष्ट्र में नागरिक अधिकारों का आधार समानता होना चाहिए। वहीं के.एम. मुंशी और अल्लादी कृष्णास्वामी अय्यर जैसे सदस्यों ने भी नागरिक जीवन से जुड़े मामलों में समान कानूनी व्यवस्था का समर्थन किया। हालांकि तत्कालीन सामाजिक परिस्थितियों और देश की विविधता को देखते हुए इसे मौलिक अधिकारों में शामिल करने के बजाय नीति-निर्देशक तत्वों में रखा गया, ताकि समय के साथ सामाजिक सहमति बनने पर इसे लागू किया जा सके।

पिछले सात दशकों में यह विषय समय-समय पर न्यायपालिका, विधि आयोग, सामाजिक संगठनों और राजनीतिक दलों के बीच चर्चा का विषय रहा। शाह बानो प्रकरण, सरला मुद्गल जैसे मामलों में सर्वोच्च न्यायालय ने भी यह टिप्पणी की कि समान नागरिक संहिता पर गंभीर विचार होना चाहिए। इन टिप्पणियों का उद्देश्य किसी धर्म विशेष पर प्रश्न उठाना नहीं था, बल्कि संविधान में निहित समानता के सिद्धांत की ओर ध्यान आकर्षित करना था।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने भी स्वतंत्रता के बाद से समान नागरिक संहिता का निरंतर समर्थन किया है। संघ का मानना रहा है कि व्यक्तिगत कानूनों में समानता राष्ट्रीय एकात्मता और समान नागरिक अधिकारों को मजबूत करेगी। दूसरी ओर अनेक धार्मिक संगठनों, विधि विशेषज्ञों और सामाजिक कार्यकताओं ने यह भी कहा कि किसी भी परिवर्तन को व्यापक संवाद, विश्वास और संवेदनशीलता के साथ लागू किया जाना चाहिए। लोकतंत्र की यही विशेषता है कि बड़े सुधार केवल कानून बनाकर नहीं, बल्कि संवाद के माध्यम से स्थायी रूप से स्थापित होते हैं।

उत्तराखंड द्वारा समान नागरिक संहिता लागू करने के बाद अब मध्य प्रदेश इस दिशा में आगे बढ़ रहा है। राज्य सरकार ने पूर्व न्यायाधीश की अध्यक्षता में समिति गठित की, व्यापक जनसुझाव आमंत्रित किए और उसके आधार पर विधेयक का प्रारूप तैयार किया। सरकार का कहना है कि लाखों सुझाव प्राप्त हुए तथा व्यापक स्तर पर परामर्श के बाद यह मसौदा तैयार किया गया।

प्रस्तावित प्रावधानों में बहुविवाह पर रोक, विवाह का अनिवार्य पंजीकरण, तलाक की विधिक प्रक्रिया, महिलाओं और पुरुषों के लिए समान उत्तराधिकार अधिकार तथा कुछ परिस्थितियों में लिव-इन संबंधों के पंजीकरण जैसी व्यवस्थाएँ शामिल हैं। अनुसूचित जनजातियों को फिलहाल इसके दायरे से बाहर रखा गया है। सरकार का तर्क है कि इसका उद्देश्य नागरिक अधिकारों में समानता स्थापित करना है, जबकि आलोचकों का मानना है कि इसके सामाजिक और सांस्कृतिक प्रभावों पर भी गंभीर चर्चा आवश्यक है। यहीं इस पूरे विमर्श का सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न सामने आता है क्या केवल कानून बना देने से समानता स्थापित हो जाएगी?

इतिहास बताता है कि सामाजिक परिवर्तन केवल विधायी निर्णयों से नहीं आते। बाल विवाह निषेध कानून, दहेज निषेध कानून, शिक्षा का अधिकार या घरेलू हिंसा विरोधी कानून–इन सभी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, लेकिन इनके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए समाज की मानसिकता में परिवर्तन भी आवश्यक था। समान नागरिक संहिता के साथ भी यही सत्य लागू होगा।

यदि यह कानून महिलाओं को अधिक सुरक्षा देता है, विवाह और उत्तराधिकार में समान अधिकार सुनिश्चित करता है, कानूनी प्रक्रियाओं को सरल बनाता है और नागरिकों को समान न्याय दिलाने में सहायक होता है, तो निस्संदेह यह भारतीय लोकतंत्र के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी। लेकिन यदि इसके क्रियान्वयन में संवाद, संवेदनशीलता और विश्वास का अभाव रहा, तो अनावश्यक विवाद भी उत्पन्न हो सकते हैं। इसलिए इस कानून की सफलता उसकी धाराओं से अधिक उसके कार्यान्वयन और सामाजिक स्वीकार्यता पर निर्भर करेगी।

मध्यप्रदेश की पहल का एक और महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि यह बहस केवल राज्य की सीमाओं तक सीमित नहीं रहेगी। अन्य राज्य भी इस अनुभव का अध्ययन करेंगे। यदि यह मॉडल न्यायपूर्ण, पारदर्शी और प्रभावी सिद्ध होता है, तो यह देशव्यापी विमर्श को नई दिशा दे सकता है। यदि इसमें व्यावहारिक कठिनाइयाँ सामने आती हैं, तो उनसे भी सीख लेकर आगे की नीति को बेहतर बनाया जा सकेगा। लोकतंत्र की यही शक्ति है कि वह प्रयोगों से सीखता है।

भारतीय समाज की सबसे बड़ी विशेषता उसकी विविधता है। भाषा, संस्कृति, परंपरा और आस्था की इस विविधता को सुरक्षित रखते हुए समान नागरिक अधिकार सुनिश्चित करना आसान कार्य नहीं है। यही कारण है कि समान नागरिक संहिता पर चर्चा केवल राजनीतिक दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि संवैधानिक, सामाजिक और मानवीय दृष्टिकोण से भी होनी चाहिए। इस विषय पर मतभेद स्वाभाविक हैं, लेकिन मतभेदों के बीच संवाद बना रहना लोकतंत्र की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

अंततः समान नागरिक संहिता का मूल्यांकन इस आधार पर होना चाहिए कि क्या यह संविधान की मूल भावना–न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व को और अधिक मजबूत करती है। यदि यह कानून नागरिकों को समान अधिकार देने के साथ सामाजिक विश्वास भी अर्जित करता है, तो मध्यप्रदेश की यह पहल केवल एक राज्य का विधायी निर्णय नहीं रहेगी, बल्कि भारतीय लोकतंत्र के विकासक्रम में एक महत्वपूर्ण अध्याय के रूप में याद की जाएगी।

(लेखक, राजनीतिक विश्लेषक हैं।)

आज का राशिफल

मेष- स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा।

वृष- विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा।

मिथुन- पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। धीरे-धीरे लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा उचित समय का इन्तजार करें।

कर्क- आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा।

सिंह- व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा।

कन्या- मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा।

तुला- लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा।

वृश्चिक- जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा।

धनु- प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। आत्मीय श्रेष्ठता बनेगी।

मकर- कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। होश में रहकर कार्य करें।

कुंभ- राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे।

मीन- व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा।

खरनाल में बनेगा वीर तेजाजी का भव्य पैनोरमा, प्रथम चरण के लिए 2 करोड़ स्वीकृत, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की बड़ी सौगात

चमकता राजस्थान

नागौर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने मंगलवार को नागौर जिले के मारवाड़ मूण्डवा स्थित वीर तेजा महिला शिक्षण एवं शोध संस्थान, तेजास्थली पहुंचकर लोकदेवता वीर तेजाजी महाराज के श्रीचरणों में पूजा-अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली और समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर उन्होंने वीर तेजा महिला बीपीएड महाविद्यालय भवन का लोकार्पण भी किया तथा संस्थान परिसर में आयोजित 'उमंग समारोह' में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्राओं, अभिभावकों और स्थानीय लोगों ने भाग लिया। इस दौरान जनप्रतिनिधियों एवं संस्थान के पदाधिकारियों ने उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी का साफा और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया। वही बालिकाओ ने जिम्नास्टिक की शानदार प्रस्तुति भी दी

अपने संबोधन में उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने छात्राओं की प्रतिभा की प्रशंसा करते हुए उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा कि नए महाविद्यालय भवन के शुरू होने से बालिकाओं को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के बेहतर अवसर मिलेंगे। उन्होंने संस्थान द्वारा बालिका शिक्षा के लिए किए जा रहे प्रयासों की

सराहना करते हुए कहा कि शिक्षा के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों में दिए जा रहे प्रशिक्षण विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव साबित होंगे।

उन्होंने सभी समाज से भी आह्वान किया कि सभी लोग आपसी सहयोग से बेटियों के लिए बेहतर शैक्षणिक और सामाजिक वातावरण तैयार करें, ताकि छात्र-छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और आगे बढ़ने के अधिक अवसर मिल सकें।

उपमुख्यमंत्री ने क्षेत्रवासियों को एक बड़ी सौगात देते हुए बताया कि खरनाल की पावन धरा पर लोकदेवता वीर तेजाजी महाराज के भव्य पैनोरमा निर्माण के प्रथम चरण के लिए 2 करोड़ की स्वीकृत राशि से जल्द ही निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह पैनोरमा वीर तेजाजी महाराज के जीवन, आदर्शों और लोक आस्था को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने के साथ-साथ क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत को नई पहचान देगा।

कार्यक्रम में राज्य सरकार में मंत्री श्री सुमित गोदारा जी, राजस्थान किसान आयोग तथा वीर तेजाजी संस्थान के अध्यक्ष श्री सी.आर. चौधरी जी, संस्थान के संरक्षक श्री माधवदास जी मोदी, कार्यकारी अध्यक्ष श्री संजीव जी डांगावास, समाजसेवी श्री दिनेश जी तरड़, पूज्य बजरंग दास जी महाराज, खिंवसर विधायक श्री रेवंतराम डांगा जी, मेड़ता विधायक श्री लक्ष्मण राम कलरु जी, पूर्व विधायक डेगाना श्री रिछपाल मिर्धा जी व श्री सुखराम नेतड़ीया जी, पूर्व विधायक नागौर श्री मोहनराम चौधरी जी, पद्मश्री से सम्मानित श्री हिम्मताराम भांभू जी, पूर्व प्रदेश महामंत्री श्री विरमदेव सिंह जी, श्री सुखराम जी, श्री अभय सिंह जी, श्री नवरत्न सिंघवी जी, श्री मदन गौरा जी, श्री जगदीश सिंह जी लाडनूं, जनप्रतिनिधिगण, संस्थान के पदाधिकारी, बालिकाएं अभिभावक आदि उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

माटी का कर्ज़ चुकाने लौटे प्रवासी, अस्पताल के लिए दान की 10 हजार वर्गफीट जमीन

- 'आओ गांव चलें' अभियान से प्रेरित होकर प्रवासी परिवार ने दी 50 लाख रुपये मूल्य की जमीन

चमकता राजस्थान/ ब्यूरो चीफ जेके बावल/ पाली। जिला कलक्टर डॉ. रविन्द्र गोस्वामी की पहल पर संचालित 'आओ गांव चलें' अभियान के तहत प्रवासी पालीवासियों का अपनी मातृभूमि से जुड़ाव लगातार मजबूत हो रहा है। इसी क्रम में मुंबई निवासी प्रवासी भामाशाह हरिश गुलाबचन्द भाटिया तथा श्रीमती मंजू देवी भगवती प्रसाद सैन (मूल निवासी भादरलाउ) ने रानी ब्लॉक के भादरलाउ गांव में चिकित्सालय निर्माण के लिए लगभग 50 लाख रुपये मूल्य की 10 हजार वर्गफीट भूमि राज्य सरकार को दान देने की सहमति प्रदान की।

दोनों भामाशाहों ने जिला कलक्टर डॉ. रविन्द्र गोस्वामी से मुलाकात कर भूमि दान का सहमति पत्र सौंपा। इस अवसर पर जिला प्रशासन ने भामाशाहों के साथ-साथ अभियान के प्रेरक जीवाराम चौधरी एवं डॉ. मुरलीधर वैष्णव का भी आभार व्यक्त किया। जिला कलक्टर डॉ. रविन्द्र गोस्वामी ने बताया कि 'आओ गांव चलें' अभियान का उद्देश्य प्रवासी जनों को अपनी मातृभूमि से जोड़कर शिक्षा, स्वास्थ्य, आंगनवाड़ी तथा अन्य जनहित के विकास कार्यों में सहयोग के लिए प्रेरित करना है। अभियान के माध्यम से प्रवासी भामाशाहों के सहयोग से ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों को नई गति मिल रही है।

भामाशाहों के सहयोग से निम्बाड़ा विद्यालय में नवीन रसोईघर का लोकार्पण

चमकता राजस्थान/ब्यूरो चीफ जेके बावल/ पाली। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, निम्बाड़ा में भामाशाह डॉ. एम.एस. लोढा, डॉ. नीरज लोढा, डॉ. दीपाली लोढा एवं आलोक भटनागर के सहयोग से स्वर्गीय श्रीमती अरुणा लोढा की स्मृति में निर्मित नवीन रसोईघर का लोकार्पण किया गया। समारोह की अध्यक्षता इनर व्हील क्लब की अध्यक्ष भावना सोमानी ने की। मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी दिलीप कर्मचंदानी ने शिक्षा विभाग की योजनाओं एवं मिशन सुलेख की जानकारी दी, जबकि पी-ईईओ धर्मेन्द्र पालरिया ने जिला कलक्टर के नवाचार 'आओ गांव चलें' और 'मिशन मानस' अभियान की उपयोगिता बताई। भामाशाह डॉ. नीरज लोढा ने विद्यार्थियों से मोबाइल और नशे की लत से दूर रहकर शिक्षा व संस्कारों पर ध्यान देने का आह्वान किया तथा विद्यालय के जर्जर कक्षों की मरम्मत कराने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर मीना मेहता एवं महेंद्र मेहता ने मेधावी विद्यार्थियों को स्टेशनरी सामग्री वितरित की। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों एवं ग्रामीणों ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। संस्था प्रधान श्रीमती संतोष पालरिया ने सभी अतिथियों, भामाशाहों एवं ग्रामवासियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन गजेन्द्र सिंह पंवार ने किया।

ब्यावर जिले का पहला ट्रामपोलिन पार्क का होगा शुभारंभ

चमकता राजस्थान/ब्यावर। जिले के पहले अत्याधुनिक "Let's Jump Trampoline Park" का शुभारंभ 22 जुलाई को दोपहर 3 बजे गोम जंक्शन, कॉलेज रोड पर होगा। समारोह के मुख्य अतिथि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत होंगे, जबकि अध्यक्षता विधायक शंकर सिंह रावत करेंगे। शुभारंभ से पूर्व आयोजित प्रेसवार्ता में पार्क के निदेशक विदुषी पाठक एवं प्रांजल पाठक ने बताया कि पार्क में बम्पर कार, स्पाइडर टावर, डोनट स्लाइड, वॉल क्लाईंबिंग, वेलक्रो वॉल, निंजा कोर्स, ट्रामपोलिन एरीना सहित कई रोमांचक और सुरक्षित एडवेंचर एक्टिविटी उपलब्ध रहेंगी। उन्होंने कहा कि यह पार्क बच्चों, युवाओं और परिवारों को विश्वस्तरीय मनोरंजन का नया अनुभव प्रदान करेगा। समारोह में जिला कलेक्टर कमलराम मीणा, पुलिस अधीक्षक रतनसिंह राठौड़ सहित कई प्रशासनिक अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहेंगे। आयोजकों ने शहरवासियों से शुभारंभ समारोह में शामिल होने का आह्वान

जिला शिक्षा अधिकारी ने कोल्वी विद्यालय का किया निरीक्षण, शिक्षा गुणवत्ता सुधार पर दिया जोर

डग स्थित सीबीईओ कार्यालय में किया पौधारोपण, विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए सामूहिक प्रयासों का किया आह्वान

चमकता राजस्थान

उन्हेल नागेश्वर /गोवर्धन सिंह। गंगधार! जिला शिक्षा अधिकारी (प्रारंभिक) झालावाड़ हेमराज पारेता ने मंगलवार को महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय, कोल्वी का निरीक्षण कर विद्यालय की शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक गतिविधियों का गहन अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों की उपस्थिति, शिक्षण व्यवस्था एवं विद्यालय की समग्र व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी ने विद्यार्थियों के शैक्षिक स्तर में सतत सुधार, नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक शिक्षा उपलब्ध कराने पर विशेष बल

दिया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और मजबूत शिक्षा व्यवस्था के लिए शिक्षकों, अभिभावकों एवं शिक्षा विभाग के सभी अधिकारियों का समन्वित प्रयास अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने शिक्षकों से विद्यार्थी हित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पूरी निष्ठा, समर्पण और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने का आ''ान किया। निरीक्षण के उपरांत जिला शिक्षा अधिकारी ने मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कार्यालय, डग परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि हरित परिसर और स्वच्छ वातावरण आने वाली पीढ़ियों के बेहतर भविष्य की आधारशिला हैं। अधिकाधिक पौधे लगाने के साथ-साथ उनके संरक्षण की जिम्मेदारी भी सभी को निभानी चाहिए।

इस अवसर पर मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी राजेन्द्र कुमार जैन, अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी बाबू लाल चौहान, आरपी कुलदीपक मेवाड़ा, गोपाल लाल वर्मा सहित कार्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। जिला शिक्षा अधिकारी ने अधिकारियों एवं कार्मिकों से शिक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा विद्यार्थियों के हित में टीम भावना के साथ कार्य करने का आह्वान किया।

बालिका विद्यालय फालना में बाल संसद का शपथ ग्रहण समारोह, सायमा बनीं प्रधानमंत्री

चमकता राजस्थान

ब्यूरो चीफ जेके बावल/ फालना/पाली छात्राओं में लोकतांत्रिक मूल्यों, नेतृत्व क्षमता एवं उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने के उद्देश्य से राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, फालना में नवगठित बाल संसद के मंत्रिमंडल का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी (सीबीईओ) बाली राजेन्द्र पि-रहार रहे।

मुख्य अतिथि राजेन्द्र परिहार ने बाल संसद के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। उन्होंने छात्राओं से ईमानदारी, अनुशासन, सेवा भावना और समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का आ''ान करते हुए कहा कि बाल संसद विद्यार्थियों में लोकतांत्रिक चेतना, नेतृत्व कौशल और निर्णय क्षमता विकसित करने का सशक्त माध्यम है।

विद्यालय की प्रधानाचार्य कविता गहलोत ने बताया कि बाल संसद का गठन लोकतांत्रिक चुनाव प्रक्रिया के माध्यम से किया गया, जिससे छात्राओं को लोकतंत्र की कार्यप्रणाली को व्यवहारिक रूप से समझने का अवसर मिला। उन्होंने बताया कि कक्षा 12 की छात्रा सायमा बाल संसद की प्रधानमंत्री निर्वाचित हुई हैं।

विशिष्ट अतिथि सेवानिवृत्त सीबीईओ उगम सिंह ने लोकतांत्रिक मूल्यों एवं सक्रिय नागरिकता पर अपने विचार व्यक्त किए। वहीं राजनीति विज्ञान के व्याख्याता जसवंत देव के निर्देशन में छात्राओं को ईवीएम ऐप के माध्यम से मतदान प्रक्रिया का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया, जिससे उन्होंने लोकतांत्रिक चुनाव प्रणाली की पूरी प्रक्रिया का अनुभव प्राप्त किया।

कार्यक्रम में सेवानिवृत्त सीबीईओ उगम सिंह, नरपत सिंह, सुदर्शना वछेटा, कमला मीणा, किरण गर्ग, महेन्द्र कंवर, पूनम, शबाना, शिवानी, चंद्रकांता सहित विद्यालय परिवार एवं बड़ी संख्या में छात्राएँ उपस्थित रहीं।

मालाखेड़ा में भीम आर्मी का 11वां स्थापना दिवस मनाया, 21 यूनिट रक्तदान हुआ

चमकता राजस्थान

अलवर (नरेन्द्र तिलकपुर)। भीम आर्मी के 11वें स्थापना दिवस के अवसर पर शुक्रवार को मालाखेड़ा के अंबेडकर भवन, वार्ड 4 में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर और सदस्यता अभियान का आयोजन किया गया। बारिश के बावजूद कार्यकर्ताओं का उत्साह कम नहीं हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ आजाद समाज पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष एडवोकेट नवल सिंह ने फीता काटकर किया। उन्होंने रक्तवीरों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि भीम आर्मी और आजाद समाज पार्टी

हमेशा गरीब, मजदूर और वंचित वर्ग की आवाज बनकर काम करती रहेगी।

● 21 यूनिट रक्त एकत्रित

भीम आर्मी के अनिल जोनवाल ने बताया कि यह शिविर आपसी भाईचारे और रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए पहली बार आयोजित किया गया। शिविर में कुल 21 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। इस दौरान सैकड़ों कार्यकर्ताओं को आजाद समाज पार्टी की सदस्यता भी दिलाई गई। रक्तदान के बाद सामाजिक जातिगत असमानता, बेरोजगारी और शिक्षा जैसे मुद्दों पर विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

● ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में प्रदेश सचिव शेर सिंह बौद्ध, जिला अध्यक्ष रामनिवास बरवाड़ा, जिला अध्यक्ष रामकुमार लवानिया, जिला उपाध्यक्ष सुधांशु बौद्ध, भगवान दास जाटव, टेकचंद जाजोरिया, राहुल बौद्ध, सरवर जाजोरिया, राजेंद्र जाजोरिया, तिलक वाल्मीकि, रामसिंह ठेकेदार, मनीष हल्दीना, मनीष पोली, पवन सिंह, सुगन सैनी, डॉ. मुकेश, धर्मेंद्र भुराड़िया सहित प्रदेश, जिला और उपखंड के पदाधिकारी व बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

● आगामी योजना

बैठक में तय किया गया कि आगामी समय में मालाखेड़ा में डॉ. भीमराव अंबेडकर की मूर्ति स्थापित की जाएगी और कस्बे के एक पार्क का नाम अंबेडकर पार्क रखा जाएगा।आयोजकों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग करने वाले सभी समाजसेवियों और ग्रामवासियों का आभार व्यक्त किया।

तेज बारिश के कहर से मकान क्षतिग्रस्त, नगर पालिका अध्यक्ष आई एक्शन में

चमकता राजस्थान/देहरादून/मसूरी (दीपक शर्मा बामनवास)। नगर पालिका परिषद मसूरी में बीती रात हुई तेज बारिश के कारण जेपी बैंड के पास भारी मलबा सड़क पर आ गया। मलबा सड़क के नीचे रह रहे एक परिवार के मकान पर गिर गया और छत तोड़ते हुए घर के अंदर घुस गया। घटना से परिवार पूरी रात भय और परेशानी के बीच रहा। सुबह होते ही नगर पालिका परिषद मसूरी की अध्यक्ष मीरा सकलानी वार्ड सभासद शिवानी भारती के साथ मौके पर पहुंची। उन्होंने परिवार की हालत देख कर रहने और खाने की तत्काल व्यवस्था कराई तथा नगर पालिका की ओर से तुरंत राशन सहित मूलभूत चीजों को उपलब्ध कराया। अध्यक्ष ने प्रशासन की ओर से प्रभावित परिवार को हर संभव सहायता दिलवाने का भरोसा दिया। हालांकि लोगों का कहना है कि ऊपर की तरफ निर्माणधीन भवनों का जो निर्माण हुआ है उनका मलबा वहीं पर डाला गया जो कि इस तेज बारिश के पानी के साथ बह कर आ गया और ये हादसा हो गया। इस हादसे पर दुःख प्रकट करते हुए पूर्व पालिका अध्यक्ष अनुज गुप्ता ने ये कहते हुए आरोप लगाया कि कुछ समय पहले ही ये सड़क बनी थी लेकिन इसमें भ्रष्टाचार हुआ है और गुणवत्ता का कोई ध्यान नहीं रखा गया इसी वजह से ये सड़क टूट गई।

शिविर में नाम शुद्धिकरण और विवाह प्रमाण पत्र की समस्या का हुआ त्वरित समाधान

चमकता राजस्थान/दौसा ।(दीपक शर्मा बामनवास) पंचायत समिति लवाण की ग्राम पंचायत खानवास में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर में दो परिवारों की वर्षों पुरानी समस्याओं का मौके पर समाधान कर उन्हें राहत प्रदान की गई। एक ओर जयराम के राजस्व रिकॉर्ड में नाम का शुद्धिकरण किया गया, वहीं दूसरी ओर प्रियंका सैनी को विवाह प्रमाण पत्र हाथों-हाथ जारी कर दिया गया।

जयराम का परिवार राजस्व अभिलेख में दर्ज नाम की त्रुटि के कारण लंबे समय से सरकारी योजनाओं और भूमि संबंधी कार्यों में परेशान था। शिविर में राजस्व विभाग की टीम ने आवश्यक दस्तावेजों का परीक्षण कर रिकॉर्ड में नाम का शुद्धिकरण किया। इससे अब उन्हें पट्टा, जमाबंदी, नामांतरण, बैंक ऋण, फसल बीमा सहित अन्य राजस्व कार्यों में किसी प्रकार की कठिनाई का सामना नहीं करना पड़ेगा।

इसी प्रकार प्रियंका सैनी कई दिनों से विवाह प्रमाण पत्र बनवाने का प्रयास कर रही थीं। ग्रामीण सेवा शिविर में आवेदन प्रस्तुत करने पर पंचायत राज विभाग ने तत्काल कार्रवाई करते हुए उनका विवाह प्रमाण पत्र मौके पर ही तैयार कर सौंप दिया। इससे उनका समय, धन और श्रम बचा तथा अब वे विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं आवश्यक कार्यों में इस प्रमाण पत्र का उपयोग कर सकेंगी।

संक्षिप्त समाचार

22 जुलाई से शुरू होंगे ग्रामीण सेवा शिविर-2026 के फॉलो-अप कैंप, लंबित समस्याओं का होगा त्वरित समाधान

चमकता राजस्थान/धौलपुर रामदास तरुण। राज्य सरकार के निर्देशानुसार जिले में ग्रामीण सेवा शिविर-2026 के अंतर्गत 22 जुलाई से 31 अगस्त तक फॉलो-अप शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों का उद्देश्य मुख्य अभियान के दौरान शेष रहे, शिविरों का आयोजन करना तथा पूर्व में प्राप्त सुझावों, लंबित प्रकरणों एवं जनसमस्याओ का प्रभावी और समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना है।

जिला कलक्टर श्रीनिधि बी. टी. ने बताया कि फॉलो-अप शिविरों में सभी विभागों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। शिविरों में प्राप्त सुझावों का परीक्षण कर उनके क्रियान्वयन के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। विशेष रूप से रास्तों एवं अतिक्रमण से जुड़े मामलों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण कराया जाएगा, ताकि ग्रामीणों को त्वरित राहत मिल सके, उन्होंने बताया कि 22 जुलाई को धौलपुर उपखंड की ग्राम पंचायत पचगांव, बाड़ी की कंचनपुर, बसेड़ी की खनपुरा, राजाखेड़ा की सिकरौदा, सैपऊ की गढ़ी चटौला तथा सरमथुरा की आंगई ग्राम पंचायतों में संबंधित अटल सेवा केंद्रों पर शिविर आयोजित होंगे। इसी प्रकार 23 जुलाई को धौलपुर की दुल्हारा, बाड़ी की बिजोली, बसेड़ी की धौर्र (राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय), राजाखेड़ा की बाजना, सैपऊ की दौनारी तथा सरमथुरा की रहरई ग्राम पंचायतों में फॉलो-अप शिविर लगाए जाएंगे।प्रशासन ने ग्रामीणों से अपील की है कि वे इन शिविरों में पहुंचकर अपनी समस्याओं एवं सुझावों से संबंधित प्रकरण प्रस्तुत करें, ताकि उनका त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित किया जा सके।

जिला सैनिक कल्याण कार्यालय, शेरगढ़

- **जिला सैनिक कल्याण अधिकारी शेरगढ़ को बाड़मेर, बालोतरा एवं जालोर के बाद जोधपुर का भी अतिरिक्त कार्यभार सौंपा**

चमकता राजस्थान/शेरगढ़ रिपोर्टर रावल सिंह शेरगढ।

राज्य सैनिक कल्याण विभाग, राजस्थान द्वारा जिला सैनिक कल्याण अधिकारी शेरगढ़ कर्नल (डॉ.) बलदेव सिंह 'मानव' को बाड़मेर, बालोतरा एवं जालोर के अतिरिक्त अब जिला सैनिक कल्याण कार्यालय, जोधपुर का भी अस्थायी अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है।

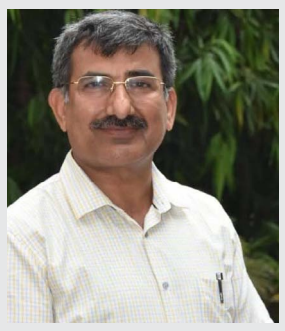

उल्लेखनीय है कि जोधपुर के नवपदस्थापित जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल जयदेव सिंह राठौड़ को विभाग द्वारा कुछ समय के लिए जयपुर स्थित राज्य सैनिक कल्याण निदेशालय में विशेष ड्यूटी पर नियुक्त किया गया है। उनके विशेष कार्यकाल के दौरान जोधपुर कार्यालय का कार्यभार कर्नल (डॉ.) बलदेव सिंह 'मानव' संभालेंगे।

ज्ञातव्य है कि कर्नल जयदेव सिंह राठौड़ हाल ही में जयपुर से स्थानांतरित होकर जोधपुर में जिला सैनिक कल्याण अधिकारी के पद पर नियुक्त हुए हैं। उन्होंने जोधपुर में कर्नल दिलीप सिंह खंगारोत से कार्यभार ग्रहण किया था, जबकि कर्नल दिलीप सिंह खंगारोत का स्थानांतरण जिला सैनिक कल्याण कार्यालय, अजमेर में हुआ है।

इस अतिरिक्त दायित्व के अंतर्गत कर्नल (डॉ.) बलदेव सिंह 'मानव' का आगामी भ्रमण एवं कार्यालयीन कार्यक्रम निम्नानुसार रहेगा–

22 जुलाई झ जिला सैनिक कल्याण कार्यालय, जोधपुर में उपस्थित रहेंगे।

23 जुलाई झ जिला सैनिक कल्याण कार्यालय, शेरगढ़ (फलोदी फांटा, कुई जोधा) में उपस्थित रहेंगे।

24 जुलाई झ जालोरझसांचौर क्षेत्र के आधिकारिक दौरे पर रहेंगे।

सभी पूर्व सैनिक (गौरव सेनानी), वीरांगनाओं, उनके आश्रितों तथा सेवा में कार्यरत सैनिकों से अनुरोध है कि वे अपने कार्य, व्यक्तिगत मुलाकात अथवा समस्याओं के समाधान हेतु उपरोक्त कार्यक्रम के अनुसार ही अपना भ्रमण निर्धारित करें।

प्राचीन गुरु द्रोण मंदिर में हुआ महाकाल श्रृंगार पूजन

- **महाकाल की नगरी उज्जैन व्यक्ति के भाग्योदय का सर्वश्रेष्ठ स्थान : पुजारी डॉ दिनेश गुरुजी**

चमकता राजस्थान/गौतम बुद्धनगर। यहां महाभारत कालीन दनकौर नगर में स्थित श्री गुरु द्रोणाचार्य प्राचीन मंदिर में देवाधिदेव महादेव परिवार का विशेष श्रृंगार, पूजन, भोग प्रसाद अर्पण कर महाआरती का कार्यक्रम भक्ति और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस दौरान अवंतिका नगरी उज्जैन से बाबा श्री महाकाल मंदिर के विद्वान पुजारी डॉ दिनेश गुरूजी द्वारा बतौर मुख्य अतिथि यहां मंदिर में प्रतिष्ठित शिवलिंग का विधिवत रुद्राभिषेक कर महाकाल स्वरूप में भांग श्रृंगार पूजन किया गया। इस अवसर पर दिनेश गुरूजी ने अपने आशीर्वचन में अनंत कोटि ब्रह्मांड नायक बाबा श्री महाकाल की महिमा का विस्तृत गुणगान किया। उन्होंने कहा कि व्यक्ति का जीवन अर्थात सांसे तथा जीवन की समस्त सुख सुविधायें, आरोग्य आदि बिना बाबा महाकाल की इच्छा के किसी के लिए भी कतई संभव नहीं है डॉ दिनेश गुरूजी ने कहा कि इस संसार में हर व्यक्ति की अपनी भक्ति, प्रेम, त्याग एवं परोपकार आदि का दृष्टिकोण निश्चित ही भिन्न-भिन्न हो सकता है, मगर भोलेनाथ बाबा महाकाल के समक्ष तन्मयता से दर्शन अथवा शीश वंदन से ही वे अपने भक्त पर प्रसन्न होकर सर्वथा कल्याण प्रदान करते हैं। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि भक्ति का कैसा भी विपरीत समय हो इस ब्रह्मांड के सेंटर पा- ॅइंट अर्थात उज्जैन नगरी में बाबा महाकाल के पास आने मात्र से ही व्यक्ति का भाग्योदय होकर उसका वक्त सुधर जाता है। श्री द्रोण गौशाला समिति द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में सैकड़ों गोवंश की सामूहिक सेवा तथा दिनेश गुरुजी का स्वागत सत्कार भी की किया गया व साथ ही उपस्थित सभी जनों में प्रसाद वितरण किया गया। उल्लेखनीय है कि यह प्राचीन मंदिर महाभारत काल में एकलव्य द्वारा स्थापित की गई अलौकिक गुरु द्रोण की तत्कालीन समय की प्रतिमा ही वर्तमान समय में भी पूजन की जा रही है। इस मौके पर अनेक व्यवस्थाओं में श्री द्रोण गौशाला समिति सदस्यों में राकेश कुमार गर्ग, रजनीकांत अग्रवाल, मनीष मांगलिक, सोनू वर्मा (सचिन), राजू कौशिक मास्टरजी सहित अनेक श्रद्धालु भक्तों ने सेवा सहयोग में अपना योगदान दिया।

पर प्रार्थना सभा, जागरूकता व्याख्यान एवं कैंसर जांच शिविर आयोजित

स्वर्गीय विद्या विनोद काला की 28वीं पुण्यतिथि

चमकता राजस्थान।

जयपुर। भगवान महावीर कैंसर हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के प्रेरणास्त्रोत, स्वप्नद्दष्टा, एवं संस्थापक प्रबंधन्यासी - वरिष्ठ पत्रकार एवं समाजसेवी स्वर्गीय विद्या विनोद काला की 28वीं पुण्यतिथि के अवसर पर सोमवार प्रातः अस्पताल परिसर में श्रद्धांजलि एवं प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में भगवान महावीर कैंसर हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के चेयरमैन एन. आर. कोठारी, विवेक,आलोक ,अजय एवं संजय काला, अस्पताल के ट्रस्टीगण, वरिष्ठ चिकित्सक एवं स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने स्वर्गीय विद्या विनोद काला के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर कैंसर उपचार के क्षेत्र में स्वर्गीय काला के योगदान को याद करते हुए कहा कि उन्होंने अपनी व्यक्तिगत पीड़ा को समाज के लिए एक बड़े संकल्प में परिवर्तित किया।

राजस्थान में कैंसर रोगियों को बेहतर उपचार सुविधाएँ उपलब्ध कराने की दिशा में उनके प्रयासों ने एक जनआंदोलन का रूप लिया और भगवान महावीर कैंसर हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर की स्थापना का मार्ग प्रशस्त हुआ जो मानव सेवा का सबसे बड़ा मंदिर है।

इसके पश्चात राजस्थान विश्वविद्यालय के सहयोग से कैंसर एवं स्वास्थ्य जागरूकता पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कैंसर रोग

विशेषज्ञ डॉ. अपूर्वा टांक ने कैंसर की प्रारंभिक पहचान, नियमित जांच, आधुनिक उपचार पद्धतियों तथा स्वस्थ जीवनशैली के महत्व पर विस्तृत जानकारी दी।

व्याख्यान में रसायन विज्ञान विभाग की प्रमुख प्रोफेसर, कर्मचारी, छात्र-छात्राएँ तथा रोटरी क्लब जयपुर मरुगंधा की अध्यक्षा डॉ. नीलिमा गुप्ता सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।नीलिमा गुप्ता ने कहा की कैंसर के प्रति उदासीनता ही सबसे घातक है।

कार्यक्रम के प्रारंभ में रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3056 के ट्रेनर अजय काला ने कहा कि आधुनिक चिकित्सा अनुसंधान, उन्नत जांच तकनीकों और नई उपचार पद्धतियों के कारण कैंसर अब पहले की तरह असाध्य बीमारी नहीं रहा है। समय पर जांच और उचित उपचार से रोगियों का जीवन न केवल अधिक सुरक्षित हुआ है, बल्कि उनकी जीवन-गुणवत्ता और आयु में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

उन्होंने कहा कि कैंसर के प्रति भय से अधिक जागरूकता की आवश्यकता है।

इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने स्वर्गीय विद्या विनोद काला को याद करते हुए कहा कि उन्होंने समाज, सरकार और दानदाताओं को एक मंच पर लाकर सेवा के एक ऐसे संस्थान की नींव रखी, जो आज हजारों रोगियों के लिए आशा और उपचार का केंद्र बना हुआ है।

बाद में राजस्थान विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य केंद्र में विश्वविद्यालय के छात्रों, शिक्षकों व कर्मचारियों एवं उनके परिजनों के लिए ''कैंसर जाँच आपके द्वार '' शिविर आयोजित किया गया। शिविर में चिकित्सकीय परामर्श, सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण तथा आवश्यक जांच की सुविधा उपलब्ध कराई गई।

शिविर का 80 से अधिक छात्र, शिक्षक,कर्मचारियों एवं उनके परिजनों ने लाभ उठाया। चिकित्सकों ने प्रतिभागियों को नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, संतुलित आहार, व्यायाम, तंबाकू एवं अन्य हानिकारक पदार्थों से दूरी तथा किसी भी असामान्य लक्षण को नजरअंदाज न करने की सलाह दी।

दूसरे पक्ष को फंसाने के लिए स्वयं ही मार लिए छर्रे, 6 गिरफ्तार

चमकता राजस्थान

राकिब खांन/डीग। जिला पुलिस अधीक्षक शरण गोपीनाथ के के निर्देशन में वांछित अपराधियों की धरपकड हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहत कामां थाना पुलिस ने त्वरित, निष्पक्ष कार्यवाही करते हुए ग्राम बरौली धाऊ में घटित फायरिंग प्रकरण में फर्जीवाड़ा उजागर कर 6 नामजद आरोपियों को गिरफ्तार किया है-

थाना कामा द्वारा कार्यवाही करते हुये गांव बरौली धाउ थाना कामां में दिनांक 17 जुलाई को हुई फायरिंग की घटना में मुलजिमों द्वारा फर्जी घटना कारित कर स्वयं को छर्रा देकर घायल किया गया था, घटना की सत्यता सामने आने पर व गिरफतारी के भय से ईलाज के दौरान मुलजिम आरबीएम हॉस्पीटल से हो गए थे डीग पुलिस द्वारा गिरफ्तारी हेतु दी जा रही दबिस के डर से मुलजिम वापस अस्पताल पहुंच गए और सरेंडर कर दियो

- **क्या था मामला---**

17 जुलाई को जरिये पुलिस कन्ट्रोल रूम डीग से सूचना प्राप्त हुई कि गांव बरौली धाउ में दो पक्षों में जमीनी विवाद को लेकर फायरिंग हो रही है इस इत्तला पर अपराध की गम्भीरता को देखते हुये अति० पुलिस अधीक्षक दिनेश यादव आरपीएस सीओ कामां राजेश शर्मा आरपीएस एवं थानाधिकारी कामां सुनील कुमार जाब्ता के साथ घटना स्थल बरौली धाउ पहुंचे जहां पर घटना स्थल का बारीकी से निरक्षण किया गया व जिला एफएसएल टीम को मौके पर घटना स्थल पर बुलाकर साक्ष्य संकलन किये गये घटना का विवरण पर्चा बयान घनश्याम पुत्र रामभरोसी जाति ब्राहम्ण उम्र 27 वर्ष निवासी बरौली धाउ थाना कामां हाल जैर इलाज आरबीएम अस्पताल में बयान किया कि मै गांव बरौली धाउ थाना कामा का रहने वाला हूँ। आज दिनांक 17जुलाई को समय करीब 1 बजे मै व मेरे पिताजी व ताउजी गिरीश कुमार, तीरथ, यश अपने घर पर बैठे हुए थे। उसी समय अचानक 30-40 लोग जिनमे राजेन्द्र पुत्र बिजेन्द्र, दिलीप पुत्र राजेन्द्र, विक्रम पुत्रविजय, जोगेन्द्र पुत्र विजय, वीरेन्द्र पुत्र बिजेन्द्र, लक्ष्मण पुत्र मानसिह, सोरन पुत्र मानसिह, अजय पुत्र लक्ष्मण, सोरन पुत्र मानसिह, सीता पुत्र श्याम, जगत पुत्र श्याम, बबलू पुत्र श्याम, गज्जो, दीवान पुत्र गंगाराम, राजवीर, रामनिवास पुत्रान विजयपाल व विजयपाल पुत्र रघुवीर, विजय, बिजेन्द्र पुत्र रघुवीर जातियान गुर्जर नि० बरौली धाउ थाना कामां एक राय मशवरा कर हथियार लाठी, डण्डो से तैयार होकर हमारे घर को घेर लिया तथा आते ही विक्रम, दिलीप, राजेन्द्र व गज्जो ने अवैध हथियारो से हमारे उपर जानलेवा हमला कर हमारे उपर फायर करने लगे। जिससे मेरे शरीर मे दिलीप, विक्रम, राजेन्द्र के द्वारा चलाये हथियारो से मेरे माथे दाहिनी तरफ सीने मे व दाहिने पैर की जॉघ व पिडली पर जगह जगह लगे व मेरे बाये हाथ मे व पैर के बांई तरफ भी लगे है। मुझे बचाने मेरे ताउ गिरीश बचाने आये तो उनके शरीर में जगह जगह छर्रे लगे है। इतने मे ही मेरा चचेरा भाई तीरथ पुत्र गिरीश आया तो उसके पेट पर वांई साईड मे छर्रे लगे है। हम जान बचाने के लिये घर मे बन्द हो गये तो अन्य लोगो ने हमारे घर पर पथराव कर दिया। फिर हमने गाँव के प्रत्येक को फोन कर बुलाया। जिसकी गाडी से हम पहले डीग फिर आरबीएम अस्पताल भरतपुर आ गये। जहां मे भर्ती हूँ पटना का मामला दर्ज कर मुलजिमों की तलाश की गई ।

2 माह से फरार 6 आरोपी गिरफ्तार, सैथल पुलिस की बड़ी कार्रवाई

चमकता राजस्थान/रिवेन्द्र कुमार शर्मा/दौसा। पुलिस थाना सैथल ने करीब दो माह से फरार चल रहे छह आरोपियों को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। यह कार्रवाई जयपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक राहुल प्रकाश (आईपीएस) एवं जिला पुलिस अधीक्षक पीयूष दीक्षित (आईपीएस) के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शंकर लाल (आरपीएस) तथा वृत्ताधिकारी दौसा धर्मेन्द्र कुमार शर्मा (आरपीएस) के सुपरविजन में थाना प्रभारी रजत खींची के नेतृत्व में की गई।

पुलिस के अनुसार 24 मई 2026 की रात परिवादी विश्ववास कुमार मीना निवासी बोरोदा शादी समारोह से लौट रहे थे। रामपुरा के पास पहले से घात लगाए बैठे आरोपियों ने उन पर हमला कर गंभीर मारपीट की, जिससे उनके सिर व शरीर पर चोटें आईं। आरोपियों ने उनकी मोटरसाइकिल में भी तोड़फोड़ कर दी। इस संबंध में पुलिस थाना सैथल में मामला संख्या 108/2026 दर्ज किया गया था।

घटना के बाद सभी आरोपी फरार चल रहे थे। पुलिस टीम लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश देती रही और आखिरकार 20 जुलाई 2026 को सभी छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

कन्या महाविद्यालय रानी की समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा।

चमकता राजस्थान/भरत कुमार गांधी रानी। रानी।कन्या महाविद्यालय रानी में व्याप्त समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर आज डॉ. जसोदा मेम के नेतृत्व में महाविद्यालय स्टाफ ने अधिशासी अधिकारी श्री मगाराम चौधरी को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन देने वालों में डॉ. अंजू अवस्थी, डॉ. पंकज परमार, जसवंत सिंह एवं किशन सिंह शामिल रहे।

क्या हैं प्रमुख समस्याएं

डॉ. जसोदा मेम ने बताया कि बरसात के समय कॉलेज की छत से अधिक मात्रा में पानी टपकता है, जिसके कारण बार-बार बालिकाओं की छुट्टी करनी पड़ती है। इससे बालिकाओं की पढ़ाई बाधित हो रही है। कॉलेज में बालिकाओं के लिए वाशरूम की भी आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष भी यही स्थिति थी। सरकार द्वारा पानी टपकने वाले विद्यालयों व अन्य विभागों के भवनों की सूची बनाकर मरम्मत के आदेश जारी किए गए थे ताकि कोई दुर्घटना न हो, लेकिन कन्या कॉलेज की छत पर अब तक कोई कार्य नहीं हुआ है।

अधिशासी अधिकारी श्री मगाराम चौधरी ने कॉलेज की समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया है।

गरीब महिलाओं को आत्मनिर्भरता की सौगात, एएमपी ने वितरित की सिलाई मशीनें

चमकता राजस्थान

कोटा संवाददाता। कोटा, 21 जुलाई। गरीब एवं जरूरतमंद महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाकर स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से एसोसिएशन ऑफ मुस्लिम प्रोफेशनल्स (अटढ) कोटा डिवीजन द्वारा बीबी जोहरा की मस्जिद मदरसा, हीरन बाजार, कोटा में सिलाई मशीन वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जरूरतमंद महिलाओं को सिलाई मशीनें प्रदान कर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनने की दिशा में प्रेरित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एएमपी कोटा डिवीजन के क्लस्टर हेड जनाब सिराज अंसारी ने की। मुख्य अतिथि जनाब शौकत खान, सीआई, मकबरा थाना, कोटा तथा विशिष्ट अतिथि जनाब अरशद अंसारी, चेयरमैन, वाईजीएन एजुकेशन ग्रुप रहे। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना समाज के समग्र विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। सिलाई मशीनें केवल एक साधन नहीं, बल्कि जरूरतमंद महिलाओं के लिए सम्मानजनक आजीविका और आत्मविश्वास का माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि समाज के कमजोर एवं वंचित वर्गों के उत्थान के लिए ऐसे जनकल्याणकारी कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाने चाहिए। कार्यक्रम में शहनवाज खान, मोहम्मद सिराज (सदर, मदरसा गौसिया अहले सुन्नत मस्जिद बीबी जोहरा), आबिद हुसैन (कार्यकर्ता, शाह समाज कोटा), मोहम्मद नईम खान, नासिर खलीफा समाज, अब्दुल जब्बार, मो. सलीम, मो. लईक (मिल्लत हॉस्पिटल), अनवर अहमद खान (स्टेट कैशियर), शांति सद्भावना मंच कोटा एवं ऑक्सफोर्ड शिक्षा प्राथमिक एवं विकास संस्थान कोटा, अब्दुल माजिद अंसारी, इंजीनियर खालिद भाई, रेहाना अंसारी, आरिफ लखारा, मोहम्मद आसिम, सोहेल खान, मुस्तानिर सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं समाजसेवी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों ने एएमपी कोटा डिवीजन की इस सामाजिक पहल की सराहना करते हुए इसे महिलाओं के सशक्तिकरण एवं समाजहित की दिशा में प्रेरणादायक और अनुकरणीय कदम बताया।

कल्याण ग्रामीण विधानसभा के उपजिला प्रमुख एडवोकेट रोहिदास मुंडे ने राज्य निर्वाचन आयोग को ई-मेल भेजकर की निष्पक्ष जांच की मांग

दिवा शहर में विशेष मतदाता पुनरीक्षण (SIR) प्रक्रिया में गंभीर अनियमितताओं का आरोप

चमकता राजस्थान।

अरविंद कोठारी/दिवा। कल्याण ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत दिवा शहर में चल रही विशेष मतदाता पुनरीक्षण (रक्फ़) प्रक्रिया में गंभीर त्रुटियों और अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए कल्याण ग्रामीण विधानसभा के उपजिला प्रमुख एडवोकेट रोहिदास मुंडे ने महाराष्ट्र राज्य निर्वाचन आयोग से विस्तृत जांच कराने तथा सक्षम व्यवस्था उपलब्ध होने तक इस प्रक्रिया को अस्थायी रूप से स्थगित करने की मांग की है।

राज्य निर्वाचन आयुक्त को ई-मेल के माध्यम से भेजे गए ज्ञापन में उन्होंने कहा है कि विशेष मतदाता पुनरीक्षण का उद्देश्य मतदाता सूची की त्रुटियों को दूर कर प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम सूची में बनाए रखना है, लेकिन दिवा शहर में यह प्रक्रिया अत्यंत त्रुटिपूर्ण तरीके से संचालित की जा रही है।

ज्ञापन के अनुसार, घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन करने की

जिम्मेदारी निभाने वाले बीएलओ (Booth Level Officer) अपेक्षित तरीके से कार्य नहीं कर रहे हैं। आरोप है कि कई स्थानों पर बीएलओ मतदाताओं के घर नहीं पहुंच रहे, बल्कि मतदाताओं को स्वयं बीएलओ की तलाश करनी पड़ रही है। कुछ स्थानों पर स्कूलों तथा राजनीतिक दलों के कार्यालयों में शिविर लगाकर यह प्रक्रिया संचालित किए जाने की भी शिकायत सामने आई है।

उन्होंने कहा कि इस कार्यप्रणाली के कारण अनेक पात्र मतदाता इस प्रक्रिया से वंचित रह सकते हैं, जिससे मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाने का मूल उद्देश्य प्रभावित हो रहा है। इसके चलते आम नागरिकों को अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और इस प्रक्रिया का वास्तविक लाभ किसे मिल रहा है, इस पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

ज्ञापन में यह भी कहा गया है कि यदि निर्वाचन आयोग की व्यवस्था प्रभावी ढंग से कार्य नहीं करती है, तो कुछ राजनीतिक दल इस प्रक्रिया का अनुचित लाभ उठा सकते हैं। इससे वास्तविक और पात्र मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटने की आशंका भी व्यक्त की गई है।

ममता बनर्जी को मदन मित्र की खुली चुनौती, बोले-

'एक महीने का समय दे रहे हैं, अभिषेक का साथ छोड़कर असली तृणमूल के साथ आइए'

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के भीतर जारी राजनीतिक खींचतान मंगलवार को और बढ़ गई है। ममता बनर्जी से अलग शहीद स्मरण कार्यक्रम के मंच से कमरहटी के विधायक मदन मित्र ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को खुली चुनौती दी। उन्होंने कहा कि अभिषेक बनर्जी ने एक घंटे का समय दिया है, लेकिन वह ममता बनर्जी को एक महीने का समय दे रहे हैं ताकि वह 'असली तृणमूल' का साथ दें।

मदन मित्र ने अपने संबोधन में कहा, 'ममता, आपको हम एक

महीने का समय दे रहे हैं। आप अभिषेक का हाथ छोड़कर असली तृणमूल का हाथ पकड़िए।' उन्होंने यह भी कहा कि ममता बनर्जी के नेतृत्व में ही तृणमूल कांग्रेस इस मुकाम तक पहुंची, लेकिन आज पार्टी के तीन हिस्सों में बंटने की स्थिति पर सवाल भी उठाए।

उन्होंने कार्यकर्ताओं से संयम बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि कोई पत्थर न फेंके और किसी के खिलाफ अभद्र भाषा का प्रयोग न करे। ममता बनर्जी को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, 'हम अपना गले का उत्तरीय बिछा रहे हैं, आप पैदल चली आइए। सिर्फ इतना कह दीजिए कि मुझसे गलती हुई। मैं गांधारी की तरह पुत्र प्रेम में अंधी हो गई थी।'

पार्टी छोड़ने वालों की वापसी नहीं, अभिषेक ने ममता से की अपील

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और लोकसभा सांसद अभिषेक बनर्जी ने मंगलवार को पार्टी प्रमुख एवं पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से अपील की है कि विधानसभा चुनाव में पार्टी की पराजय के बाद कठिन समय में संगठन छोड़ने वाले नेताओं को किसी भी परिस्थिति में दोबारा पार्टी में वापस नहीं लिया जाए। कोलकाता के बिरला तारामंडल के निकट आयोजित तृणमूल कांग्रेस के वार्षिक 21 जुलाई शहीद दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अभिषेक बनर्जी ने कहा कि जो लोग पार्टी छोड़कर चले गए, उनका दोबारा स्वागत नहीं होना चाहिए।

वित्तीय अनियमितता मामले में पश्चिम बंगाल में ईडी की बड़ी कार्रवाई

कोलकाता-बनगांव के आठ ठिकानों पर छापेमारी

एजेंसी

कोलकाता। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने वित्तीय अनियमितता और जालसाजी से जुड़े एक मामले की जांच के तहत मंगलवार को पश्चिम बंगाल में बड़ी कार्रवाई करते हुए कोलकाता और उत्तर 24 परगना जिले के बनगांव उपमंडल में आठ ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। इस दौरान केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के जवान भी ईडी की टीम के साथ मौजूद रहे।

सूत्रों के अनुसार, जांच का केंद्र उन आरोपों पर है जिनमें लोगों को केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने का झांसा देकर उनसे बड़ी रकम वसूली गई। आरोप है कि इस तरीके से करीब 20 हजार लोगों से लगभग 165 करोड़ रुपये एकत्र किए गए।

बताया गया है कि इस मामले की शिकायत मिलने के बाद केंद्रीय वित्त मंत्रालय के अधीन जांच एजेंसी ईडी ने जांच शुरू की और मंगलवार को विभिन्न स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया। हालांकि, एजेंसी के अधिकारियों ने जांच की संवेदनशीलता का हवाला देते हुए मामले पर विस्तृत टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

जानकारी के मुताबिक, जिन आठ स्थानों पर छापेमारी की गई, उनमें चार ठिकाने कोलकाता और चार बनगांव में स्थित हैं।

बनगांव में ईडी की टीम ने स्थानीय तृणमूल कांग्रेस नेता अभिजीत विश्वास के आवास पर

भी तलाशी ली। जांच एजेंसी उन्हें इस कथित वित्तीय अनियमितता और जालसाजी मामले का मुख्य साजिशकर्ता मान रही है।

हालांकि, जब ईडी की टीम सुबह उनके घर पहुंची, तब वह वहां मौजूद नहीं थे। परिवार के सदस्यों ने अधिकारियों को बताया कि अभिजीत विश्वास अधिकांश समय बनगांव से बाहर रहते हैं और बहुत कम घर आते हैं। पड़ोसियों ने भी इस दावे की पुष्टि की।

उधर, पश्चिम बंगाल की शुभेंदु अधिकारी सरकार भ्रष्टाचार के मामलों में सख्त रुख अपनाने की बात पहले ही स्पष्ट कर चुकी है। हाल ही में लागू पश्चिम बंगाल सार्वजनिक सुरक्षा एवं असामाजिक गतिविधि नियंत्रण अधिनियम, 2026 में भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों में कड़ी कार्रवाई का प्रावधान किया गया है। इस कानून के तहत भारतीय न्याय संहिता, 2023 के प्रावधानों का उपयोग करते हुए दोषी पाए जाने वाले व्यक्तियों की संपत्ति जब्त करने का अधिकार राज्य सरकार को प्राप्त है।

फिलहाल ईडी की तलाशी और जांच की कार्रवाई जारी है। मामले में आगे और खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

संक्षिप्त खबरें

पेपर लीक और छात्रों पर लाठीचार्ज के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन, प्रधानमंत्री का पुतला दहन

सीवान। दिल्ली में संसद मार्च के दौरान छात्रों पर हुए कथित लाठीचार्ज और पेपर लीक के मुद्दे के विरोध में मंगलवार को सीवान में कांग्रेस कार्यकताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। सरदार पटेल चौक से जेपी चौक तक आक्रोश मार्च निकाला गया। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला दहन कर केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की गई। हाथों में कांग्रेस के झंडे और बैनर लिए बड़ी संख्या में कार्यकर्ता, छात्र और युवा मार्च में शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने 'लाठी-गोली की सरकार नहीं चलेगी', 'पेपर लीक की सरकार नहीं चलेगी', 'धर्मेंद्र प्रधान को बर्खास्त करो', 'युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ बंद करो' तथा 'देश के युवाओं से टकराना बंद करो' जैसे नारे लगाए। जेपी चौक पर आयोजित सभा में कांग्रेस नेताओं ने केंद्र सरकार की नीतियों की आलोचना की। कांग्रेस के सीवान जिलाध्यक्ष सुशील कुमार ने कहा कि दिल्ली में छात्रों पर हुई कार्रवाई लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है। उन्होंने आरोप लगाया कि 23 दिनों से अनशन पर बैठे छात्रों से सरकार का कोई प्रतिनिधि मिलने नहीं पहुंचा। उनका कहना था कि जब छात्र लोकतांत्रिक तरीके से संसद की ओर मार्च कर रहे थे, तब उन पर लाठीचार्ज और आंसू गैस का प्रयोग किया गया। उन्होंने दावा किया कि इस कार्रवाई में बिहार के कई छात्र भी घायल हुए हैं तथा छात्रों की आवाज अब राष्ट्रीय स्तर का आंदोलन बन चुकी है। किसान कांग्रेस के प्रदेश महासचिव अशोक कुमार सिंह ने कहा कि देश में लगातार हो रही पेपर लीक की घटनाओं से युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है। उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग करते हुए कहा कि पेपर लीक मामलों की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। कांग्रेस नेता विश्वनाथ यादव ने बिहार की विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक की घटनाओं का उल्लेख करते हुए राज्य की शिक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि शिक्षा व्यवस्था में वैचारिक हस्तक्षेप किया जा रहा है, जिसे तत्काल रोका जाना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि ऐसा नहीं हुआ तो कांग्रेस इस मुद्दे पर व्यापक जन आंदोलन चलाएगी। कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि युवाओं और छात्रों से जुड़े मुद्दों को लेकर उनका आंदोलन आगे भी जारी रहेगा।

मुकेश श्रीवास्तव के हत्यारों की अविलंब गिरफ्तारी हो : हैप्पी यादव

सीवान। दरौली विधानसभा क्षेत्र के खेढ़ाय गांव निवासी मुकेश श्रीवास्तव की निर्मम हत्या के बाद क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल है। घटना के बाद भारतीय जनता पार्टी के जिला उपाध्यक्ष डॉ० चंद्र विजय प्रकाश यादव उर्फ 'हैप्पी यादव' पीड़ित परिवार से मिलने उनके आवास पहुंचे। उन्होंने शोकाकुल परिजनों को सांत्वना दी और घटना की जानकारी प्राप्त की। हैप्पी यादव ने प्रशासन से मामले का तत्काल संज्ञान लेकर हत्यारों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की। उन्होंने कहा कि पुलिस बिना किसी शिथिलता के कार्रवाई करते हुए अपराधियों को जल्द गिरफ्तार करे, ताकि पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके। उन्होंने कहा कि न्याय में देरी होने से आम जनता में असंतोष बढ़ता है। उन्होंने पीड़ित परिवार को हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाते हुए कहा कि दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

विद्युत विभाग के जेई और निजी सहयोगी घुस लेते गिरफ्तार

भागलपुर। निगरानी अन्वेषण ब्यूरो की विशेष टीम ने मंगलवार को नौलखा कोठी परिसर में छापेमारी कर बिजली विभाग के जूनियर इंजीनियर और उनके एक निजी सहयोगी को घुस लेते रंगे हाथ धर दबोचा। बताया जा रहा है कि विद्युत विभाग के जेई अमित कुमार अपने एक सहयोगी सौरभ कुमार के माध्यम से एक उपभोक्ता से चार हजार रुपये की रिश्वत की रकम वसूल रहे थे। निगरानी की टीम ने जाल बिछाकर जैसे ही रिश्वत की राशि का लेन-देन पूरा कराया, वैसे ही जेई अमित कुमार और उनके सहयोगी सौरभ कुमार को मौके पर ही रंगे हाथ धर लिया। इस कार्रवाई के बाद मौके पर हड़कंप मच गया और निगरानी की टीम दोनों आरोपितों को कागजी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद कानूनी कार्रवाई के लिए अपने साथ लेकर रवाना हो गई।

मुख्यमंत्री ने जीविका के 2,446 नवचयनित अभ्यर्थियों को बांटे नियुक्ति पत्र

नियुक्ति सिर्फ नौकरी नहीं, सामाजिक बदलाव की जिम्मेदारी : सम्राट चौधरी

एजेंसी

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मंगलवार को शास्त्रीनगर स्थित ऊर्जा ऑडिटोरियम में आयोजित समारोह में बिहार ग्रामीण जीविकोपार्जन प्रोत्साहन समिति (जीविका) के विभिन्न पदों पर चयनित 2,446 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस दौरान उन्होंने पांच नवचयनित अभ्यर्थियों को प्रतीकात्मक रूप से नियुक्ति पत्र सौंपकर सभी चयनित उम्मीदवारों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि यह नियुक्ति केवल सरकारी नौकरी पाने का अवसर नहीं है, बल्कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े गरीब और वंचित परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी भी है। उन्होंने कहा कि जीविका आज केवल एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि महिलाओं के आत्मसम्मान, आत्मनिर्भरता, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने और सामाजिक परिवर्तन का व्यापक जनआंदोलन बन चुकी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले दो दशकों में जीविका ने बिहार में महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय परिवर्तन किया है। इसकी सफलता आज देश और दुनिया के लिए प्रेरणा का विषय है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता प्रत्येक गरीब परिवार को जीविका से जोड़कर उन्हें आजीविका और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्तमान में बिहार में 10 लाख 49 हजार 411 स्वयं सहायता समूह सक्रिय हैं, जिनके माध्यम से एक करोड़ 81 लाख से अधिक महिलाएं जीविका से जुड़कर आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त बन रही हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में 30 लाख से अधिक महिलाएं 'लखपति दीदी' बन चुकी हैं, जो देश में सर्वाधिक संख्या है। यह उपलब्धि बिहार की महिलाओं की मेहनत, आत्मविश्वास और सरकार की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन का परिणाम है।

सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार की समृद्धि का रास्ता गांवों से होकर गुजरता है। यदि गांव मजबूत होंगे, महिलाएं आत्मनिर्भर बनेंगी और गरीब परिवार आर्थिक रूप से सशक्त होंगे, तभी विकसित भारत और समृद्ध बिहार का लक्ष्य हासिल किया जा सकेगा। उन्होंने जीविका से जुड़ी महिलाओं से आग्रह किया कि वे समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की योजनाओं का लाभ पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2006-07 में राज्य की अर्थव्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी बेहद सीमित थी, लेकिन आज जीविका के माध्यम से महिलाओं का आर्थिक योगदान बढ़कर लगभग 1.36 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। उन्होंने इसे बिहार में महिलाओं की बढ़ती आर्थिक भागीदारी, वित्तीय सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता का मजबूत प्रमाण बताया। उन्होंने कहा कि महिलाओं के साथ निरंतर संवाद और उनके सुझावों के आधार पर राज्य सरकार ने कई ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं, जिनका सकारात्मक प्रभाव ग्रामीण समाज में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है।

समारोह को ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार और ग्रामीण विकास विभाग के प्रधान सचिव पंकज कुमार ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री के समक्ष जीविका की उपलब्धियों और उसके सामाजिक-आर्थिक प्रभाव पर आधारित एक लघु फिल्म भी प्रदर्शित की गई।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी, उपमुख्यमंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव, ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार, विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, जीविका के पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में नवचयनित अभ्यर्थी उपस्थित रहे।

टीबी मुक्त भारत अभियान

सीवान के 357 गांवों में 17.38 लाख लोगों की होगी स्क्रीनिंग

एजेंसी

सीवान। जिले में टीबी मुक्त भारत अभियान को नई गति देने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने व्यापक स्क्रीनिंग अभियान की तैयारी पूरी कर ली है। अभियान के तहत जिले के सभी 19 प्रखंडों के 357 गांवों का चयन किया गया है, जहां कुल 17,38,732 लोगों की टीबी स्क्रीनिंग की जाएगी। अभियान का उद्देश्य टीबी के छिपे हुए मरीजों की समय रहते पहचान कर उनका शीघ्र उपचार शुरू करना है, ताकि संक्रमण की श्रृंखला को तोड़ा जा सके। अभियान को प्रभावी बनाने के लिए जिले को पांच हैंड हेल्ड एआई आधारित अल्ट्रा पोर्टेबल एक्स-रे मशीनें उपलब्ध कराई गई हैं। इन मशीनों के माध्यम से स्वास्थ्य विभाग की टीमें गांव-गांव जाकर लोगों की जांच करेंगी.साथ ही जांच कार्य को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए दो लैब टेक्नीशियन की भी पदस्थापना की गई है। इसके अलावा जिले की ओपन आरटी-पीसीआर लैब में बिना लक्षण वाले संभावित टीबी मरीजों की जांच भी शुरू कर दी गई है। इससे ऐसे संक्रमित लोगों की पहचान संभव होगी, जिनमें बीमारी के स्पष्ट लक्षण नहीं हैं, लेकिन संक्रमण मौजूद है।

प्रखंडवार चयनित गांवों में सबसे अधिक 39 गांव पचरुखी से शामिल किए गए हैं, जहां 1,46,119 लोगों की स्क्रीनिंग होगी। इसके अलावा सीवान सदर प्रखंड के 30 गांवों में 2,61,847, हुसैनगंज के 27 गांवों में 1,48,235, बड़हरिया के 32 गांवों में 1,43,026, गोरेयाकोठी के 28 गांवों में 1,31,880, महाराजगंज के 30 गांवों में 1,30,095 तथा दरौंदा के 30 गांवों में 1,19,417 लोगों की जांच की जाएगी. शेष प्रखंडों के चयनित गांवों में भी चरणबद्ध तरीके से स्क्रीनिंग अभियान चलाया जाएगा। सिविल सर्जन डॉ. श्रीनिवास प्रसाद ने बताया कि, टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत चयनित गांवों में विशेष स्क्रीनिंग अभियान चलाया जाएगा।

एआई आधारित पोर्टेबल एक्स-रे मशीन और ओपन आरटी-पीसीआर लैब जैसी आधुनिक तकनीकों के माध्यम से बिना लक्षण वाले संभावित मरीजों की भी पहचान की जा सकेगी। हमारा प्रयास है कि प्रत्येक संदिग्ध व्यक्ति की समय पर जांच कर उसे तत्काल उपचार से जोड़ा जाए। जनभागीदारी और जागरूकता के माध्यम से ही टीबी मुक्त सीवान और टीबी मुक्त भारत के लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है।

स्वास्थ्य विभाग ने सभी प्रखंडों की टीमों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं. विभाग का लक्ष्य है कि अभियान के दौरान अधिक से अधिक लोगों की स्क्रीनिंग कर संभावित टीबी मरीजों की शीघ्र पहचान की जाए और उन्हें समय पर उपचार उपलब्ध कराया जाए।

बिहार विधानसभा से सात महत्वपूर्ण विधेयक ध्वनिमत से पारित

एजेंसी

पटना। बिहार विधानसभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को सरकार ने विभिन्न विभागों से जुड़े सात महत्वपूर्ण विधेयक सदन में पेश किए। विस्तृत चर्चा के बाद सभी विधेयकों को ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। इनमें जुआ प्रतिषेध, माल एवं सेवा कर (जीएसटी), भूमि दाखिल-खारिज, नर्सेज पंजीकरण, चिकित्सा तथा चीनी उपक्रमों से जुड़े संशोधन विधेयक प्रमुख हैं। सभी विधायी कार्य पूरे होने के बाद विधानसभा की कार्यवाही बुधवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

दिनभर चली कार्यवाही के दौरान प्रश्नकाल और अन्य विधायी कार्य निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार संपन्न हुए। इस दौरान विपक्ष ने राज्य की कानून-व्यवस्था, भ्रष्टाचार और अन्य समसामयिक मुद्दों को लेकर सरकार के खिलाफ जोरदार हंगामा किया। हालांकि, विरोध के बीच भी सदन की कार्यवाही जारी रही और सरकार अपने सभी प्रस्तावित विधेयकों को पारित कराने में सफल रही। मंगलवार को विधानसभा से पारित प्रमुख विधेयकों में बिहार जुआ प्रतिषेध विधेयक, 2026, बिहार माल एवं सेवा कर (संशोधन) विधेयक, 2026, भूमि दाखिल-खारिज (संशोधन) विधेयक, 2026, बिहार नर्सेज पंजीकरण (संशोधन) विधेयक, 2026, बिहार चीनी उपक्रम अर्जन (संशोधन) विधेयक, 2026, बिहार चिकित्सा (संशोधन) विधेयक, 2026 तथा एक अन्य विभागीय संशोधन विधेयक शामिल हैं। विधानसभा अध्यक्ष ने सभी विधायी कार्य संपन्न होने के बाद सदन की कार्यवाही बुधवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

पूर्व भाजपा विधायक के यहां से गांजा की बरामदगी, केयरटेकर गिरफ्तार

अररिया (एजेंसी)। नरपतगंज के पूर्व भाजपा विधायक जयप्रकाश यादव के कुसियारगांव स्थित फार्महाउस से पुलिस ने गुप्त सूचना पर छापेमारी कर 158 किलो गांजा का खेप बरामद किया। हालांकि पुलिसिया कार्रवाई के दौरान कामत का केयरटेकर मौके से फरार हो गया था,लेकिन बाद में पुलिस ने केयरटेकर अवधेश ऋषिदेव को भी गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की।

जानकारी मंगलवार को सदर एसडीपीओ सुशील कुमार सिंह ने मंगलवार को अपने कार्यालय में आयोजित उर्स वार्ता में दी।सदर एसडीपीओ ने बताया कि मामले को नगर थाना में कांड संख्या 381/26 एनडीपीएस के सुसंगत धाराओं में दर्ज किया गया है। सदर एसडीपीओ सुशील कुमार सिंह ने बताया कि अररिया पूर्णिया मुख्य सड़क एनएच 27 में

कुसियारगांव के पास स्थित यह फार्म हाउस नरपतगंज के पूर्व भाजपा विधायक जयप्रकाश यादव है और जिसके देखभाल की जिम्मेवारी अवधेश ऋषिदेव को दी गई थी। नगर थाना पुलिस के द्वारा गुप्त सूचना पर यह कार्रवाई की गई।छापेमारी में 158 किलो गांजा के साथ केयरटेकर अवधेश ऋषिदेव को गिरफ्तार किया गया है।

बिहार में मुख्यमंत्री आवास, सचिवालय और स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी, सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट

एजेंसी

पटना। बिहार में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नाम ई-मेल के जरिए बम धमाके की धमकी मिलने से सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया है। धमकी में मुख्यमंत्री आवास, मुख्यमंत्री सचिवालय, दानापुर के चार स्कूलों तथा गयाजी के प्रधान डाकघर और पासपोर्ट कार्यालय को आरडीएक्स से उड़ाने की बात कही गई है। घटना के बाद पटना और गयाजी में पुलिस, बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वायड को सक्रिय कर दिया गया है। सभी संवेदनशील परिसरों की गहन तलाशी ली जा रही है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, मंगलवार सुबह 7:57 बजे ग्रामीण विकास विभाग के आधिकारिक ई-मेल पर एक धमकी भरा संदेश प्राप्त हुआ। ई-मेल में दावा किया गया कि 21 जुलाई को दोपहर 3:11 बजे पहले बिहार सचिवालय में विस्फोट किया जाएगा और इसके बाद रात 9:11 बजे मुख्यमंत्री कार्यालय तथा मुख्यमंत्री आवास को बम से उड़ा दिया जाएगा। ई-मेल मिलते ही विभाग के संयुक्त सचिव रवि कुमार ने तत्काल संबंधित थाने में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद सुरक्षा एजेंसियों ने जांच शुरू कर दी।

धमकी ऐसे समय आई है जब बिहार विधानमंडल का मानसून सत्र चल रहा है। इसे देखते हुए पुलिस मुख्यालय ने सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी है। सचिवालय, मुख्यमंत्री सचिवालय, ग्रामीण विकास विभाग तथा अन्य सरकारी परिसरों में बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वायड की मदद से व्यापक सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। इसके अलावा दानापुर के चार स्कूलों में भी सुरक्षा बढ़ा दी गई है और वहां भी जांच की जा रही है।

धमकी भरे ई-मेल में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का नाम लेते हुए कई गंभीर आरोप लगाए गए हैं। ई-मेल भेजने वाले ने स्वयं को खालिस्तान समर्थक बताया है और दावा किया है कि संजय वर्मा नामक व्यक्ति बिहार में छिपा हुआ है तथा उसने खालिस्तान समर्थक हरदीप सिंह निज्जर की हत्या करवाई थी। पुलिस इन दावों की भी जांच कर रही है, हालांकि अभी तक इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इसी क्रम में गयाजी के प्रधान डाकघर और क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय को भी आरडीएक्स से उड़ाने की धमकी मिली है। बताया गया कि यह धमकी ई-मेल के माध्यम से कई डाकघरों को भेजी गई थी। गयाजी स्थित प्रधान डाकघर के वरीय डाकपाल प्रणव कुमार झा ने बताया कि यह ई-मेल पटना सर्किल स्तर से प्राप्त हुआ, जिसमें संभावित हमले का उल्लेख किया गया है।

प्रणव कुमार झा ने बताया कि ई-मेल में दावा किया गया है कि दक्षिण भारतीय अभिनेत्री निवेदा पेशुराज की पैगंबर मोहम्मद पर कथित टिप्पणी से नाराज होकर क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय और डाकघर को आरडीएक्स से उड़ाने की धमकी दी गई है। उन्होंने कहा कि मामले की जानकारी तत्काल पुलिस और संबंधित सुरक्षा एजेंसियों को दे दी गई है। फिलहाल डाकघर और पासपोर्ट कार्यालय में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और सभी गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है।

गयाजी के नगर पुलिस अधीक्षक (सिटी एसपी) अभिनव ने मीडिया से बातचीत में बताया कि धमकी की सूचना मिलते ही पुलिस लाइन से बम निरोधक दस्ते को मौके पर भेजा गया है। उन्होंने कहा कि पुलिस हर पहलू की गंभीरता से जांच कर रही है और धमकी भेजने वाले की पहचान करने के लिए साइबर विशेषज्ञों की भी मदद ली जा रही है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि फिलहाल किसी भी स्थान से विस्फोटक सामग्री मिलने की पुष्टि नहीं हुई है। सुरक्षा एजेंसियां ई-मेल की तकनीकी जांच, आईपी एड्रेस की पड़ताल और अन्य डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर धमकी भेजने वाले तक पहुंचने का प्रयास कर रही हैं। प्रशासन ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील की है।

संक्षिप्त खबरें

फीफा ने शुरू की स्पेन-अर्जेंटीना के खिलाड़ियों के बीच हुई झड़प की जांच

नई दिल्ली। फेडरेशन इंटरनेशनेल डी फुटबॉल एसोसिएशन (फीफा) ने रविवार को खेले गए फीफा विश्व कप 2026 के फाइनल के बाद मैदान पर स्पेन और अर्जेंटीना के खिलाड़ियों व कोचिंग स्टाफ के बीच हुई हिंसक झड़प की अनुशासनात्मक जांच शुरू कर दी है। न्यू जर्सी के मेटलाइफ स्टेडियम में खेले गए फाइनल में फेरान टोरेस ने अतिरिक्त समय (106वें मिनट) में गोल कर स्पेन को अर्जेंटीना पर 1-0 से जीत दिलाई और स्पेन ने अपना दूसरा पुरुष फीफा विश्व कप खिताब जीता। हालांकि मुकाबले के अंत में अर्जेंटीना खिलाड़ियों के अनुशासनहीन व्यवहार ने मैच की चमक फीकी कर दी। इससे पहले अतिरिक्त समय के अंतिम क्षणों में अर्जेंटीना के मिडफील्डर एंजो फर्नांडीज को स्पेन के पाउ कुबार्सी पर खतरनाक फाउल करने के कारण रेफरी स्लावको विनचिच ने दूसरा पीला कार्ड दिखाकर लाल कार्ड दे दिया था। मैच समाप्त होने के बाद सामने आए वीडियो में अर्जेंटीना के लिएंड्रो परेडेस और नाहुएल मोलिना को स्पेन के एरिक गार्सिया और रोद्री के साथ हाथापाई करते देखा गया। वहीं अर्जेंटीना के सहायक कोच रोबर्टो आयाला भी कथित तौर पर स्पेन के दानी ओल्मो पर हाथ उठाते नजर आए।

राष्ट्रमंडल खेल 2026: 23 जुलाई से होगा आगाज, जानिए पूरा प्रतियोगिता कार्यक्रम

commonwealth games
GLASGOW 2026

नई दिल्ली। स्कॉटलैंड के ग्लास्गो में 23 जुलाई से 2 अगस्त तक आयोजित होने वाले राष्ट्रमंडल खेल 2026 में 74 देशों और क्षेत्रों के 3,000 से अधिक खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। 11 दिनों तक चलने वाले इन खेलों में 11 खेलों की 215 पदक स्पर्धाओं में मुकाबले होंगे। प्रतियोगिता में ओलंपिक और विश्व चैंपियन खिलाड़ियों के साथ कई उभरते सितारे भी अपनी चुनौती पेश करेंगे। खेलों की शुरुआत 23 जुलाई को बाउल्स और पैरा बाउल्स से होगी, जबकि समापन 2 अगस्त को ट्रैक साइक्लिंग, जूडो और नेटबॉल के पदक मुकाबलों के साथ होगा। एथलेटिक्स, तैराकी, मुक्केबाजी, भारोत्तोलन, 373 बास्केटबॉल और पैरा स्पर्धाएं आकर्षण का केंद्र रहेंगी।

एफआईएच हॉकी पुरुष विश्व कप 2026 के लिए भारतीय टीम घोषित, हरमनप्रीत सिंह होंगे कप्तान

एजेंसी

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने एफआईएच हॉकी पुरुष विश्व कप बेल्जियम एवं नीदरलैंड्स 2026 के लिए 20 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा कर दी। अनुभवी डिफेंडर और ड्रैग-फ्लिक विशेषज्ञ हरमनप्रीत सिंह टीम की कप्तानी करेंगे, जबकि अनुभवी मिडफील्डर मनप्रीत सिंह टीम में अनुभव की अहम भूमिका निभाएंगे। विश्व कप का आयोजन 15 से 30 अगस्त 2026 तक बेल्जियम और नीदरलैंड्स में होगा। भारत को पूल डी में इंग्लैंड, पाकिस्तान और वेल्स के साथ रखा गया है। भारतीय टीम अपने सभी लीग मुकाबले नीदरलैंड्स के एम्स्टलवीन में खेलेगी।

मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने टीम चयन पर संतोष जताते हुए कहा, यह एक संतुलित टीम है। इसमें बड़े टूर्नामेंट का अनुभव रखने वाले खिलाड़ियों के साथ शानदार फॉर्म में चल रहे युवा खिलाड़ियों का बेहतरीन मिश्रण है। इन युवाओं ने अपनी प्रतिष्ठा नहीं, बल्कि प्रदर्शन के दम पर टीम में जगह बनाई है। भारत अपने अभियान की शुरूआत 15 अगस्त को वेल्स के खिलाफ करेगा। इसके बाद 17 अगस्त को इंग्लैंड और 19 अगस्त को चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से मुकाबला होगा। भारत-पाकिस्तान मैच पूल चरण का सबसे बहुप्रतीक्षित मुकाबला माना जा रहा है। फुल्टन ने कहा, प्रेस, काउंटर और प्रदर्शन केवल हमारी रणनीति नहीं है, बल्कि यही इस टीम की सोच और प्रशिक्षण का आधार भी है। हम फिलहाल बहुत आगे नहीं सोच रहे हैं। हमारा लक्ष्य एक समय में एक मैच पर पूरा ध्यान देना है और हर मुकाबले में अपना सर्वश्रेष्ठ देना है।

उन्होंने आगे कहा, 1975 में भारत ने विश्व कप जीता था। उस ऐतिहासिक उपलब्धि के 50 साल बाद इस टीम के पास भारतीय हॉकी के इतिहास में अपना नया अध्याय लिखने का अवसर है और इसे लेकर हम सभी बेहद उत्साहित हैं।

भारतीय टीम

गोलकीपर: मोहित एचएस, सूरज करकेरा
डिफेंडर: जरमनप्रीत सिंह, हरमनप्रीत सिंह (कप्तान), अमित रोहिदास, जुगराज सिंह, संजय, सुमित, यशदीप सिवाच
मिडफील्डर: मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, विवेक सागर प्रसाद, नीलकांत शर्मा, राजिंदर सिंह, आदित्य अर्जुन लालगे
फॉरवर्ड: मनदीप सिंह, दिलप्रीत सिंह, अभिषेक, सुखजीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा।

फीफा विश्व कप 2026 के बाद नई रैंकिंग जारी

स्पेन बना नंबर-1, अर्जेंटीना दूसरे स्थान पर खिसका

एजेंसी

नई दिल्ली। फीफा विश्व कप 2026 का खिताब जीतने के साथ ही स्पेन ने फीफा पुरुष फुटबॉल रैंकिंग में भी नंबर-1 स्थान हासिल कर लिया है। स्पेन ने फाइनल में अर्जेंटीना को अतिरिक्त समय में 1-0 से हराकर छह महीने बाद फिर से शीर्ष स्थान पर कब्जा जमाया और मौजूदा विश्व चैंपियन अर्जेंटीना को दूसरे स्थान पर धकेल दिया। विश्व कप फाइनल में फेरान टोरेस ने अतिरिक्त समय में विजयी गोल दागकर स्पेन को उसका दूसरा पुरुष विश्व कप खिताब दिलाया। इस उपलब्धि के साथ स्पेन अब पुरुष और महिला दोनों फीफा रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच गया है। स्पेन की महिला टीम भी मौजूदा विश्व चैंपियन है।

अर्जेंटीना दूसरे, फ्रांस तीसरे स्थान पर बरकरार

लियोनेल मेसी की कप्तानी वाली अर्जेंटीना एक स्थान नीचे खिसककर दूसरे नंबर पर पहुंच गई है। विश्व कप में चौथे स्थान पर रहने के बावजूद फ्रांस तीसरे स्थान पर कायम है, जबकि इंग्लैंड चौथे स्थान पर बना हुआ है।

ब्राजील की टॉप-5 में वापसी, पुर्तगाल और जर्मनी को नुकसान

यूईएफए नेशंस लीग चैंपियन पुर्तगाल, जिसे विश्व कप के प्री-क्वार्टर फाइनल में स्पेन ने बाहर किया था, दो स्थान फिसलकर सातवें नंबर पर पहुंच गया है। वहीं, इसी दौर में बाहर होने वाला ब्राजील एक स्थान की छलांग लगाकर छह महीने बाद फिर से शीर्ष-5 में लौट आया है और अब पांचवें स्थान पर है। चार बार का विश्व चैंपियन जर्मनी विश्व कप के राउंड ऑफ-32 में पैराग्वे से पेनाल्टी शूटआउट में हारकर बाहर हो गया था। इसका असर रैंकिंग पर भी पड़ा और जर्मनी दो स्थान नीचे खिसककर 12वें स्थान पर पहुंच गया। यह सितंबर 2025 के बाद उसकी सबसे खराब रैंकिंग है।

मेजबान देशों में मेक्सिको ने लगाई सबसे बड़ी छलांग

विश्व कप के सह-मेजबान देशों में मेक्सिको ने सबसे बड़ी प्रगति की। मेक्सिको चार स्थान ऊपर चढ़कर 10वें नंबर पर पहुंच गया। टीम प्री-क्वार्टर फाइनल तक पहुंची थी, जहां उसे अपने घरेलू मैदान एज्टेका स्टेडियम में इंग्लैंड के खिलाफ 2-3 से हार का सामना करना पड़ा।फीफा के अनुसार, जून रैंकिंग चक्र के दौरान कुल 105 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले गए, जिनमें से 104 मुकाबले फीफा विश्व कप 2026 के थे। यह टूर्नामेंट अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको में आयोजित हुआ।

फीफा पुरुष रैंकिंग (विश्व कप 2026 के बाद शीर्ष-10)

1. स्पेन
2. अर्जेंटीना
3. फ्रांस
4. इंग्लैंड
5. ब्राजील
6. मोरक्को
7. पुर्तगाल
8. बेल्जियम
9. नीदरलैंड्स
10. मेक्सिको

विश्व कप फाइनल की हार के बाद भावुक हुए लियोनेल मेसी

बोले-यह दर्द बहुत गहरा है

एजेंसी

नई दिल्ली। फीफा विश्व कप 2026 के फाइनल में स्पेन से अतिरिक्त समय में 0-1 की हार के एक दिन बाद अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी ने भावुक संदेश जारी करते हुए प्रशंसकों का आभार जताया। मेसी ने कहा कि इस हार का दर्द बहुत गहरा है और इस घाव को भरने में समय लगेगा, लेकिन टीम ने पूरे टूर्नामेंट में जो संघर्ष किया, उस पर उन्हें गर्व है।

न्यू जर्सी में खेले गए फाइनल में स्पेन ने अतिरिक्त समय में अर्जेंटीना को 1-0 से हराकर विश्व कप खिताब अपने नाम किया। मैच के बाद मेसी भावुक होकर रोते हुए नजर आए और उनके अंतरराष्ट्रीय भविष्य को लेकर भी अटकलें तेज हो गईं।

इंस्टाग्राम पर स्पेनिश भाषा में लिखे अपने संदेश में मेसी ने कहा, यह दर्द बहुत गहरा है और इस घाव को भरने में समय लगेगा। लेकिन मैं उन सभी अच्छे पलों को भी संजोकर रखूंगा... वे मुकाबले जिन्हें हमने वापसी करते हुए जीता, जिनमें हमने अपना सब कुछ झोंक दिया। वे पल हमेशा हमारी यादों में रहेंगे। पूरे देश का समर्थन, और इस टीम की मेहनत व समर्पण ने हमें एक बार फिर दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों में शामिल किया।

बांग्लादेश टेस्ट सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम घोषित, कमिंस, हेजलवुड की वापसी

एजेंसी

मेलबर्न। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने मंगलवार को अगस्त में बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए 13 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। कप्तान पैट कमिंस, तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड और अनुभवी स्पिनर नाथन लियोन की चोट के बाद टीम में वापसी हुई है, जिससे ऑस्ट्रेलियाई टीम को बड़ी मजबूती मिली है।

हेजलवुड एशेज सीरीज के दौरान हैमस्ट्रिंग चोट से उबरते समय अकिलिस की चोट के कारण पूरी श्रृंखला से बाहर रहे थे। वहीं लियोन एडिलेड टेस्ट में हैमस्ट्रिंग चोट के बाद सर्जरी कराने के कारण लंबे समय से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेल पाए थे।

दूसरी ओर, पैट कमिंस निचली पीठ की स्ट्रेस इंजरी से वापसी करते हुए केवल एडिलेड टेस्ट में खेले थे। ऑस्ट्रेलिया के एशेज बरकरार रखने के बाद एहतियात के तौर पर उन्हें अंतिम दो टेस्ट मैचों में आराम दिया गया था।

कमिंस और हेजलवुड भारत और श्रीलंका में आयोजित टी20 विश्व कप से भी बाहर रहे थे, हालांकि दोनों ने अलग-अलग समय पर आईपीएल में वापसी की थी। लियोन ने एडिलेड टेस्ट के बाद अब तक कोई प्रतिस्पर्धी मुकाबला नहीं खेला है।मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के हवाले से कहा, राष्ट्रीय चयन समिति पैट, जोश और नाथन की वापसी का स्वागत करती है। पिछले कुछ महीनों में इन तीनों खिलाड़ियों ने स्पोर्ट्स साइंस और स्पोर्ट्स मेडिसिन टीम के साथ मिलकर अपनी-अपनी चोट से उबरने के लिए कड़ी मेहनत की है।

नेसर और डॉगेट बाहर

वरिष्ठ गेंदबाजों की वापसी के बाद एशेज में 15 विकेट लेने वाले माइकल नेसर और ब्रेंडन डॉगेट को टीम में जगह नहीं मिली है। हालांकि नेसर, डॉगेट और ऑफ स्पिनर टॉड मर्फी मुख्य टीम के साथ अभ्यास कर रहे हैं और जरूरत पड़ने पर उन्हें टीम में शामिल किया जा सकता है। बेली ने कहा, यह 13 खिलाड़ियों की टीम है, लेकिन जरूरत पड़ने पर बदलाव के लिए अन्य खिलाड़ी भी पूरी तरह तैयार हैं। अगले 12 महीनों में लगातार क्रिकेट होने के कारण कई खिलाड़ियों को तीनों प्रारूपों में अवसर मिलेंगे।

बल्लेबाजी क्रम में नहीं हुआ बदलाव

ऑस्ट्रेलिया ने शीर्ष क्रम में कोई बदलाव नहीं किया है। एशेज में पदार्पण करने वाले जेक वेदराल्ड को एक और मौका मिला है और वह सलामी बल्लेबाज के रूप में ट्रैविस हेड के साथ पारी की शुरुआत करेंगे। उस्मान ख्वाजा के संन्यास के बाद हेड को ओपनिंग की जिम्मेदारी सौंपी गई है।खराब फॉर्म से जूझ रहे मार्नस लाबुशेन को भी टीम में बरकरार रखा गया है। एशेज में उन्होंने 259 रन बनाए थे और उनका औसत 28.78 रहा था। इससे पहले वेस्टइंडीज दौरे के दौरान उन्हें अंतिम एकादश से बाहर भी किया गया था। तेज गेंदबाजी आक्रमण में कमिंस और हेजलवुड के अलावा मिचेल स्टार्क और स्कॉट बोलैंड शामिल हैं। वहीं ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन और ब्यू वेबस्टर भी अंतिम एकादश में जगह बनाने के दावेदार हैं। रिजर्व विकेटकीपर जोश इंग्लिस भी मध्यक्रम में स्थान के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे।

अगस्त में खेले जाएंगे दोनों टेस्ट

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र के तहत दोनों टेस्ट मैच 13-17 अगस्त के बीच डार्विन और 22-26 अगस्त के बीच मैकाय में खेले जाएंगे। यह ऑस्ट्रेलिया के व्यस्त टेस्ट कार्यक्रम की शुरूआत होगी, जिसमें टीम अगले आठ महीनों में 14 टेस्ट मैच खेलेगी। इस दौरान ऑस्ट्रेलिया भारत का दौरा करेगा और मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर टेस्ट क्रिकेट की 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में इंग्लैंड के खिलाफ एक विशेष टेस्ट मैच भी खेलेगा।

फिलहाल ऑस्ट्रेलिया विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की अंक तालिका में 87.50 प्रतिशत अंक (पीसीटी) के साथ शीर्ष पर है। टीम ने अब तक आठ मैचों में सात जीत और एक हार दर्ज की है।

व्यापार

स्टॉक मार्केट में एसबीआई फंड्स की मजबूत शुरुआत, फायदे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी एसेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी) एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूती के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 574 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 6.27 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 610 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग 6.85 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 613.30 रुपये के स्तर पर हुई।

लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से ये शेयर 624.90 रुपये तक चढ़ गया और बिकवाली का दबाव बनने पर ये टूट कर 598.20 रुपये के स्तर तक भी आया। पूरे दिन का कारोबार होने के बाद एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट के शेयर बीएसई पर 609.90 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 609.75 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। इस तरह पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 35 रुपये से अधिक यानी लगभग 6.25 प्रतिशत का फायदा हो गया।

कंपनी का 9,812.91 करोड़ रुपये का आईपीओ 14 से 16 जुलाई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 41.73 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 140.11 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 22.51 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 3.76 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला मेटालिक टेक्नोफोर्ज का आईपीओ, 28 जुलाई को हो सकती है लिस्टिंग

एजेंसी

नई दिल्ली। मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की कंपनी मेटालिक टेक्नोफोर्ज का 49.96 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 23 जुलाई तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 24 जुलाई को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 27 जुलाई को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 28 जुलाई को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। पहले दिन दोपहर 11:30 बजे तक ये आईपीओ 16 प्रतिशत सब्सक्राइब हुआ है।

इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 72 रुपये से लेकर 77 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,600 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट यानी 3,200 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,46,400 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 64.88 लाख नए शेयर जारी हो रहे हैं।

इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 47.35 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 33.29 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 14.30 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इसके अलावा मार्केट मेकर के लिए 5.06 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इस इश्यू के लिए स्मार्ट हॉरिजन कैपिटल एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि बिगशेयर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। वहीं श्रेणी शेयर्स लिमिटेड कंपनी का मार्केट मेकर है।

अल्पाइन टेक्सवर्ल्ड ने निवेशकों को दिया झटका, फ्लैट लिस्टिंग के बाद लगा लोअर सर्किट

एजेंसी

नई दिल्ली। फैब्रिक की डाइंग और प्रोसेसिंग के काम में लगी अल्पाइन टेक्सवर्ल्ड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट ने फ्लैट एंट्री कर अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 105 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग बिना किसी उतार चढ़ाव के 105 रुपये के स्तर पर ही हुई। लिस्टिंग के बाद हुई बिकवाली के कारण कंपनी के शेयर कुछ देर में ही गिर कर 99.75 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर पहुंच गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 5.25 रुपये यानी पांच प्रतिशत का नुकसान हो गया।

कंपनी का 126.25 करोड़ रुपये का आईपीओ 14 से 16 जुलाई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.40 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 1.09 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में भी 1.09 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। जबकि रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 1.54 गुना सब्सक्राइब हो सका था।

संक्षिप्त खबरें

मीनाक्षी नटराजन पहुंचीं हाई कोर्ट, राज्यसभा चुनाव में नामांकन निरस्त होने के फैसले को दी चुनौती

भोपाल/जबलपुर। मध्य प्रदेश से राज्यसभा चुनाव के लिए कांग्रेस उम्मीदवार रहीं वरिष्ठ नेता मीनाक्षी नटराजन ने अपना नामांकन रद्द किए जाने के फैसले को जबलपुर स्थित मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय में चुनौती दी है। नटराजन ने तय 45 दिनों की वैधानिक सीमा के भीतर याचिका दायर कर निर्वाचन आयोग के फैसले को गलत ठहराया है। मीनाक्षी नटराजन मंगलवार को जबलपुर पहुंचीं और उच्च न्यायालय में चुनाव याचिका दाखिल की। जबलपुर में पत्रकारों से चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि उच्चतम न्यायालय के निर्देशों का पालन करते हुए उन्होंने नियमानुसार निर्धारित 45 दिनों की समय-सीमा के भीतर यह याचिका दायर की है। नटराजन का आरोप है कि रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा उनका नामांकन पत्र बिना किसी ठोस और वैध कानूनी आधार के निरस्त किया गया था। जिस मामले का संज्ञान तक नहीं लिया गया था, उसे ही आधार बनाकर उनकी आपत्तियों को खारिज कर दिया गया। उन्होंने कहा कि पहले चुनावों में 'वोटों की चोरी' के आरोप लगते थे, लेकिन इस बार तो पूरी की पूरी 'सीट ही चुरा' ली गई है। नटराजन ने भरोसा जताया कि उन्हें उच्च न्यायालय से न्याय जरूर मिलेगा।

उच्चाधिकार समिति ने अरावली संरक्षण पर जनता से मांगे सुझाव

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय द्वारा गठित उच्चाधिकार समिति ने अरावली पहाड़ियों और पर्वत श्रृंखलाओं से जुड़े मामलों पर जनता, विशेषज्ञों और अन्य हितधारकों से सुझाव एवं अभ्यावेदन आमंत्रित किए हैं। समिति को 31 अगस्त 2026 तक अपनी व्यापक रिपोर्ट उच्चतम न्यायालय को सौंपनी है। उच्चतम न्यायालय ने 25 मई 2026 को स्वतः संज्ञान रिट याचिका (सिविल) संख्या 10/2025 में पारित आदेश के तहत इस उच्चाधिकार समिति का गठन किया था। समिति को अरावली क्षेत्र से जुड़े पर्यावरण, जैव विविधता, खनन, आजीविका और अन्य संबंधित मुद्दों की विस्तृत जांच का दायित्व सौंपा गया है। समिति ने दिल्ली, राजस्थान, हरियाणा, गुजरात सहित अन्य राज्यों के हितधारकों, पर्यावरणविदों, संरक्षणवादियों, गैर-लाभकारी संगठनों, खनन पट्टा धारकों, परियोजना प्रस्तावकों, ग्रामीणों, किसानों, खदान श्रमिकों, स्थानीय समुदायों तथा विषय में वैध हित रखने वाले सभी व्यक्तियों और संस्थाओं से सुझाव मांगे हैं।

सोनम वांगचुक की पत्नी ने दिल्ली हाई कोर्ट का आभार जताया

नई दिल्ली। पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे अंगमो ने मंगलवार को दिल्ली उच्च न्यायालय के उस फैसले पर आभार जताया जिसमें उनकी याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायालय ने वांगचुक को दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल से मेदांता अस्पताल में भर्ती कराने का आदेश दिया है। गीतांजलि ने एक्स पर लिखा, 'वांगचुक को हमारी पसंद के अस्पताल मेदांता में भर्ती करने के पक्ष में आदेश देने के लिए दिल्ली उच्च न्यायालय का दिल से धन्यवाद। बेहद मुश्किल हालात के बावजूद समय में मिली इस जीत के लिए अधिवक्ता अखिल सिब्बल, बहुली शर्मा और उनकी टीमों का भी दिल से शुक्रिया।' उल्लेखनीय है कि जंतर-मंतर पर अनशन पर बैठे सोनम वांगचुक को 21वें दिन दिल्ली पुलिस ने अस्पताल में भर्ती करा दिया था। यह आंदोलन शिक्षा प्रणाली में अनियमितता और नीट पेपर लीक को लेकर जारी है जिसका नेतृत्व सोशल मीडिया अभियान कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) कर रही है।

सिक्किम सुरंग हादसे पर प्रधानमंत्री ने जताया शोक, दो-दो लाख की सहायता की घोषणा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सिक्किम के नामची जिले में निमार्णाधीन सुरंग के ढहने की घटना में लोगों की मौत पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। प्रधानमंत्री ने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से हादसे में जान गंवाने वाले प्रत्येक व्यक्ति के निकटतम परिजन को दो-दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। इसके अलावा, प्रत्येक घायल को 50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस दुखद घटना से वह बेहद व्यथित हैं और इस कठिन समय में उनकी संवेदनाएं प्रभावित परिवारों के साथ हैं। उन्होंने भरोसा जताया कि घायलों को हरसंभव चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

अमित शाह ने मुख्यमंत्री को 'नामची' भूस्खलन पर हरसंभव सहायता का दिया आश्वासन

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग से बातचीत कर नामची जिले में निमार्णाधीन सुरंग के पास हुए भूस्खलन के बाद की स्थिति और जारी राहत एवं बचाव कार्यों की जानकारी ली। शाह ने मुख्यमंत्री से कहा कि केंद्र सरकार इस कठिन समय में सिक्किम के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है। उन्होंने बचाव अभियान को सफल बनाने तथा प्रभावित लोगों की सहायता के लिए केंद्र की ओर से हरसंभव मदद उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। गृह मंत्री ने राहत एवं बचाव कार्यों में जुटी एजेंसियों के प्रयासों की सराहना करते हुए उम्मीद जताई कि फंसे लोगों को जल्द सुरक्षित बाहर निकाला जाएगा और प्रभावित परिवारों को हर आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

उपराष्ट्रपति ने सुरंग हादसे पर जताया दुख

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने सिक्किम के नामची जिले में बन रही सुरंग में हुए हादसे में लोगों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया। उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने मंगलवार को एक्स पर लिखा, 'इस जिले में बन रही सुरंग में हुए हादसे में लोगों की मौत पर गहरा दुख हुआ। पीड़ित परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। मैं प्रार्थना करता हूं कि जिन्होंने अपनों को खोया है उन्हें हिम्मत और साहस मिले, जो लोग फंसे हुए हैं उन्हें सुरक्षित निकाला जा सके और घायल लोग जल्द ठीक हो जाएं।' उल्लेखनीय है कि नामची जिले के समरदुंग, झोलुंगे में बन रही सुरंग के पास अचानक भूस्खलन होने के मलबे से निकासी द्वार बंद होने के कारण कई मजदूर अंदर फंस गए। तलाशी अभियान में सात मजदूरों की मौत की पुष्टि हुई है।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील के विरोध में शंभू व खनौरी बॉर्डर पर जुटे पंजाब के हजारों किसान

पुलिस ने बैरीकेड लगाकर दिल्ली कूच से रोका, बॉर्डर पर स्थिति बनी तनावपूर्ण

एजेंसी

चंडीगढ़। भारत-अमेरिका ट्रेड डील का विरोध के लिए पंजाब के अलग-अलग जिलों से दिल्ली कूच कर रहे किसानों को शंभू बॉर्डर पर रोक लिया गया। मंगलवार को भारी बारिश के बावजूद किसानों ने शंभू बॉर्डर पर ही धरना शुरू कर दिया। पुलिस बेरिकेडिंग तोड़कर हरियाणा के रास्ते दिल्ली जाने का प्रयास कर रहे कई किसानों को पुलिस ने हिरासत में भी लिया।

पंजाब व हरियाणा के कई जिलों में किसान नेताओं को घरों में नजरबंद करके पुलिस का पहरा लगा दिया गया है। किसान सुबह ही दिल्ली में किसान घाट जाने के लिए पटियाला-अंबाला के बीच बने शंभू बॉर्डर और संगरूर-जींद के बने खनौरी बॉर्डर पहुंच गए। इसका पता चलते ही हरियाणा पुलिस ने दोनों बॉर्डर पर बैरिकेडिंग कर उन्हें सील कर दिया। ऐसे में किसान आगे नहीं जा सके। हरियाणा की तरफ से दोनों बॉर्डरों पर भारी पुलिस फोर्स तैनात कर दी गई है। बॉर्डर पर जेसीबी मशीनें, वज्र वाहन तथा आंसू गैस की टीमें तैनात कर दी गई है।

पंजाब के विभिन्न जिलों से आने वाले किसान शंभू तथा खनौरी बॉर्डर पर जमा हो गए हैं। वहां पर पक्का मोर्चा लगाने की तैयारी की जा रही है। किसान मजदूर मोर्चा के संयोजक सरवण पंधेर इसकी अगुआई कर रहे हैं। शंभू बॉर्डर बंद किए जाने से जालंधर-दिल्ली नेशनल हाईवे पर गाड़ियों की आवाजाही ठप हो गई है। इसे देखते हुए हरियाणा पुलिस ने ट्रैफिक डायवर्ट कर दिया है।

इसी बीच हरियाणा के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा से किसान नेताओं की मीटिंग हुई, जिसके बाद किसान नेता सरवण पंधेर ने कहा कि कृषि मंत्री राणा की तरफ से कहा गया है कि गिरफ्तार किए गए किसान नेताओं को जल्द ही रिहा कर दिया जाएगा। पंधेर ने कहा कि किसान नेता गुरनाम सिंह चढ़ूनी की रिहाई के बाद आंदोलन की आगे की रणनीति तय की जाएगी। इस दौरान अमेरिका भारत ट्रेड डील पर भी वार्ता होगी। इससे पहले किसान आंदोलन की वजह से हरियाणा-पंजाब का शंभू बॉर्डर 13 महीने (करीब 401 दिन) बंद रहा था। 13 फरवरी, 2024 को सील होने के बाद हाई कोर्ट के आदेश पर इसे 20 मार्च, 2025 को खोला गया। अब इसे फिलहाल दोबारा बंद किया गया है।

किसान आंदोलन के चलते हरियाणा व पंजाब पुलिस ने दिल्ली मार्ग पर डायवर्ट किए रूट

चंडीगढ़। पंजाब के किसानों का दिल्ली कूच करने के बाद हरियाणा के एक दर्जन जिलों में पुलिस अलर्ट हो गई है। बॉर्डर जाम होने के कारण हजारों यात्रियों को भारी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। किसानों ने अमेरिका-भारत फ्री ट्रेड डील के विरोध में दिल्ली में महापंचायत बुलाई है। हरियाणा व पंजाब के किसान दिल्ली कूच करना चाहते हैं। किसानों के कूच को देखते हुए सोनीपत के कुंडली-सिंघु बॉर्डर पर करीब 4 किमी लंबा जाम लगा है। हरियाणा पुलिस वज्र वाहन तैनात कर वाहनों की सघन जांच कर रही है। जांच के बाद ही दिल्ली की ओर प्रवेश दिया जा रहा है। कुरुक्षेत्र में प्राइवेट बस से दिल्ली जा रहे किसानों को पुलिस ने ज्योतिसर चौकी के पास लगे नाके पर रोक लिया। बस में करीब 30 किसान थे, जिनको पुलिस ने हिरासत में लिया है। इनमें भारतीय किसान यूनियन पिहोवा के प्रवक्ता प्रिंस वड़ैच भी शामिल है। हिसार एरिया में दिल्ली पुलिस ने बहादुरगढ़-द्वारका बाईपास पर बैरिकेड लगा दिए है। निजी वाहन सख्त चेकिंग के बाद ही पास हो रहे हैं। शंभू बॉर्डर पर किसानों के बैठने से अमृतसर-दिल्ली, चंडीगढ़-दिल्ली राष्ट्रीय मार्ग सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। बरसात के मौसम में यात्रियों को भारी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। हरियाणा के कुरुक्षेत्र, कैथल, सोनीपत आदि जिलों में पुलिस ने किसान नेताओं को हिरासत में लिया है।

सोनीपत में भी पुलिस ने बॉर्डर किया सील, हजारों यात्री हुए परेशान

मप्र में बिजली कंपनी के इंजीनियर के ठिकानों पर लोकायुक्त का छापा

आय से 258 फीसदी ज्यादा संपत्ति का हुआ खुलासा

एजेंसी

इंदौर। लोकायुक्त ने मंगलवार सुबह मध्य प्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के अधीक्षण यंत्री (फाइनेंस) शिवराम सेमिल के नौ ठिकानों पर एक साथ छापामार कार्रवाई की। प्रारंभिक जांच में सेमिल के पास वैध आय की तुलना में करीब 258 फीसदी अधिक संपत्ति का खुलासा हुआ है। लोकायुक्त ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

लोकायुक्त टीम आज सुबह करीब 5.30 बजे सेमिल के इंदौर, पीथमपुर, धार और मुरैना स्थित कुल नौ ठिकानों पर छापे मारे। यह कार्रवाई लोकायुक्त एसपी राजेश सहाय के नेतृत्व में की गई। शुरूआती जांच में सेमिल के घर से 4 किलो चांदी, 300 ग्राम गोल्ड और 3 लाख कैश मिला है। इसके अलावा बेटे-बहू और दामाद के नाम पर करोड़ों की फैक्टरी, आलीशान बंगले, प्लॉट्स के दस्तावेज बरामद हुए हैं।

- बेटे, बहू, दामाद के नाम करोड़ों की फैक्टरी, आलीशान बंगले, प्लॉट्स के दस्तावेज बरामद

शिवराम सेमिल इन दिनों इंदौर स्थित पोलोग्राउंड कार्यालय में पदस्थ हैं। लोकायुक्त के अनुसार सेमिल ने अपने 33 वर्ष के सेवाकाल में वैध आय से कहीं अधिक संपत्ति अर्जित की है। जांच के दौरान इंदौर की सिलिकॉन सिटी स्थित सी-44 पर करीब एक करोड़ बीस लाख रुपये लागत का तीन मंजिला आलीशान मकान मिला। वहीं पीथमपुर सेक्टर-3 में पुत्र शुभम के नाम से शुभम इलेक्ट्रिकल नामक ट्रांसफार्मर निर्माण फैक्टरी मिली, जिसकी अनुमानित लागत एक करोड़ पच्चीस लाख रुपये आंकी गई है।

जांच में यह भी सामने आया कि पुत्रवधू और अन्य परिजनों के नाम से कर्निश पावरजोन फर्म पंजीकृत है, जिसकी शेयर पूंजी पचास लाख रुपये है। फर्म के नाम पर पीथमपुर में दो औद्योगिक भूखंड खरीदे गए हैं, जिनमें से एक पर पुरानी फैक्टरी संचालित है जबकि दूसरे पर नई फैक्टरी का निर्माण चल रहा है। इस पर अब तक करीब एक करोड़ रुपये खर्च होना पाया गया है।

लोकायुक्त को धार जिले के उज्जैनी औद्योगिक क्षेत्र में दामाद और पुत्र के नाम से संचालित 'एसएस इलेक्ट्रिकल्स' फर्म भी मिली। यहां तीन औद्योगिक भूखंडों पर लगभग एक करोड़ पचास लाख रुपये का निवेश सामने आया है। इसी क्षेत्र में कृष्णा पावर के नाम से एक अन्य भूखंड पर फैक्टरी निर्माण भी जारी मिला, जिस पर अब तक करीब दस लाख रुपये खर्च होने का अनुमान है। जांच के दौरान रिश्तेदार के नाम से संचालित 'ए-वन इलेक्ट्रिकल' फैक्टरी भी मिली है, जिसमें करोड़ों रुपये के निवेश की जांच की जा रही है।

मध्य प्रदेश विधानसभा में यूसीसी विधेयक पारित

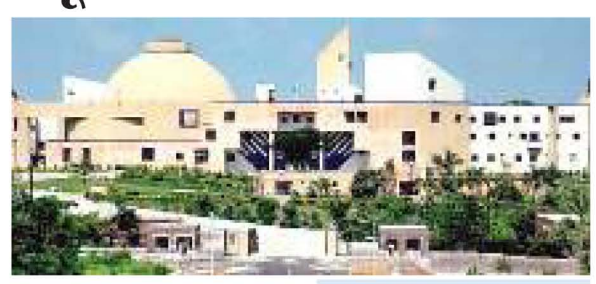

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा में मानसून सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को समान नागरिक संहिता (यूनिफॉर्म सिविल कोड-यूसीसी) विधेयक पारित हो गया है। इस बीच सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोंकझोंक, हंगामा और नारेबाजी हुई। कांग्रेस के विरोध के बावजूद विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कार्यवाही जारी रखते हुए बिल को पास घोषित कर दिया।

विधानसभा में आज मंत्री गौतम टेटवाल ने मध्य प्रदेश समान नागरिक संहिता विधेयक 2026 पर चर्चा के लिए सदन में प्रस्ताव पेश किया। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने इसे प्रवर समिति के पास भेजने की मांग की, लेकिन सरकार ने इसे मंजूर नहीं किया। इसके बाद सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोंकझोंक शुरू हो गई। कांग्रेस विधायक यूसीसी के विरोध में नारेबाजी करने लगे जबकि भाजपा विधायक और मंत्री बिल पर चर्चा कराने की मांग करते रहे। हंगामे के कारण विधानसभा की कार्यवाही पहले 10 मिनट और फिर 15 मिनट के लिए स्थगित करनी पड़ी।

इसके बाद यूसीसी पर चर्चा के दौरान कांग्रेस विधायक बाला बच्चन ने सरकार की मंशा पर सवाल उठाए। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, विधायक आतिफ अकील और आरिफ मसूद ने विधेयक को प्रवर समिति के पास भेजने, संविधान के अनुच्छेद 29 के तहत अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा करने और इसे राजनीतिक एजेंडा बताते हुए विरोध दर्ज कराया लेकिन इसके बावजूद सरकार ने बिल को सदन से पास करा लिया।

- प्रवर समिति के पास भेजने की मांग खारिज

राहुल गांधी ने प्रदर्शन में घायल छात्रों से अस्पताल जाकर की मुलाकात, जाना हाल

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी मंगलवार को दिल्ली के डॉ. राम मनोहर लोहिया (आरएमएल) अस्पताल पहुंचे और जंतर-मंतर से संसद मार्च के दौरान घायल हुए छात्रों से मुलाकात की। उन्होंने घायलों का हालचाल जाना और डॉक्टरों से उनके उपचार की जानकारी ली। राहुल गांधी के साथ कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा, कांग्रेस महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल और सांसद दीपेंद्र हुड्डा भी मौजूद रहे। कांग्रेस नेताओं ने अस्पताल में भर्ती छात्रों से बातचीत कर उनकी स्थिति की जानकारी ली। कांग्रेस के आधिकारिक एक्स हैंडल पर कहा गया कि राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और केसी वेणुगोपाल ने प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई और लाठीचार्ज में घायल हुए छात्रों से मुलाकात की। छात्रों का भविष्य दांव पर लगाया जा रहा है और आवाज उठाने पर उन पर लाठियां बरसाई जा रही हैं। सरकार को पेपर लीक मामले की जिम्मेदारी लेनी चाहिए और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना चाहिए।

उल्लेखनीय है कि सोमवार को जंतर-मंतर से संसद की ओर मार्च कर रहे प्रदर्शनकारियों को रोकने के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प हुई थी। इस दौरान पुलिस कार्रवाई में कई छात्र घायल हुए थे, जिन्हें उपचार के लिए विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया।

आरएमएल अस्पताल में घायल युवाओं से मिले जेपी नड्डा, बेहतर इलाज के दिए निर्देश

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा मंगलवार को अचानक कॉकरोच जनता पार्टी के संसद' मार्च के दौरान हुई झड़प और पुलिस कार्रवाई में घायल युवाओं का हाल जानने के लिए डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल पहुंचे। अस्पताल में स्वास्थ्य मंत्री ने घायल युवाओं से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने आरएमएल अस्पताल में डॉक्टरों के साथ बैठक की। उन्होंने डॉक्टरों की टीम से इलाज की जानकारी ली और सभी घायलों को बेहतर से बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इसके बाद वे लेडी हार्डिंग अस्पताल भी पहुंचे।

उल्लेखनीय है कि जंतर-मंतर से संसद की ओर मार्च के दौरान हुई झड़प में कई छात्र घायल हुए थे, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया

है। आर एम एल अस्पताल में 65 और लेडी हार्डिंग अस्पताल में 82 घायलों का इलाज चल रहा है। इन अस्पतालों में घायलों से मिलने कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के नेता भी पहुंचने की खबर है।

बेंगलुरु में आईएसआईएस भर्ती और फंडिंग नेटवर्क से जुड़े मामले में ईडी की आठ ठिकानों पर छापेमारी, अबतक चार आरोपित गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने प्रतिबंधित आतंकी संगठन आईएसआईएस के लिए भर्ती और फंडिंग से जुड़े धनशोधन मामले में शनिवार को बेंगलुरु में आठ स्थानों पर छापा मारा है। यह कार्रवाई राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की प्राथमिकी के आधार पर दर्ज प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) के तहत की गई।

ईडी के बेंगलुरु क्षेत्रीय कार्यालय अनुसार, मामला बेंगलुरु स्थित 'इकरा वेलफेयर ट्रस्ट', 'गाइडेंस फॉर मैनकाइंड' और उनसे जुड़े अन्य व्यक्तियों से संबंधित है। एनआईए ने गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) की धारा 17 (आतंकवाद के लिए धन जुटाना), धारा 18 (आतंकी गतिविधियों की तैयारी) और धारा 18-बी (आतंकी संगठन के लिए भर्ती) के तहत प्राथमिकी दर्ज की थी। जांच में अब तक चार आरोपितों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इस मामले में एनआईए ने इरफान नासिर, अहमद अब्दुल कादर, मोहम्मद तौकीर महमूद, जुहाब हमीद शकील मन्ना और मोहम्मद शिहाब के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल भी कर दिया है।

आरोपपत्र के अनुसार सभी आरोपित प्रतिबंधित आतंकी संगठन आईएसआईएस/ आईएसआईएल/ दाएश से जुड़े थे। उन्होंने बेंगलुरु के मुस्लिम युवाओं को कट्टरपंथी बनाकर आईएसआईएस में शामिल कराने की साजिश रची। जांच में सामने आया कि 'इकरा कैंप' नामक व्यक्तित्व विकास कार्यशाला और उससे जुड़े साप्ताहिक 'कुरान सर्किल' के माध्यम से युवाओं की पहचान कर उन्हें कट्टरपंथ की ओर प्रेरित किया गया।

आरोपितों ने धन जुटाने और उसे विभिन्न माध्यमों से स्थानांतरित करने के अलावा युवाओं की तुर्किये के रास्ते सीरिया तक अवैध यात्रा की व्यवस्था की, ताकि वे आईएसआईएस में शामिल होकर सीरियाई सरकार के खिलाफ लड़ सकें। आरोपपत्र में इसे भारत सरकार के सहयोगी देश सीरिया के खिलाफ युद्ध जैसी गतिविधियों में शामिल होना बताया गया है।

एनआईए की जांच में सामने आया कि समूह ने नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) और राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) विरोधी प्रदर्शनों से जुड़े भावनात्मक मुद्दों का इस्तेमाल कर मुस्लिम समुदाय को भड़काने तथा सुरक्षित सोशल मीडिया मंचों के जरिए आईएसआईएस की विचारधारा फैलाने का प्रयास किया ईडी के अनुसार, आरोपितों ने व्यक्तियों, ट्रस्टों और अपनी बचत से धन एकत्र कर युवाओं की भर्ती और उनकी विदेश यात्रा के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई। तलाशी के दौरान बरामद दस्तावेजों और डिजिटल साक्ष्यों की जांच की जा रही है। मामले में आगे की जांच जारी है।

संक्षिप्त समाचार

दीवा के मुंब्रा देवी कॉलोनी में गंदगी और फॉगिंग के अभाव से डेंगू-मलेरिया का खतरा; स्थानीय नागरिकों ने उठाए सवाल

- मानसून में स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई पर सवाल डू कीटनाशक छिड़काव, फॉगिंग और जनजागरूकता अभियान तेज करने की मांग
- प्रतिनिधि : अरविंद कोठारी

दीवा : मानसून के दौरान संक्रामक बीमारियों के बढ़ते खतरे के बीच दिवा शहर के मुंब्रा देवी कॉलोनी क्षेत्र के स्थानीय नागरिकों ने आरोप लगाया है कि इलाके में नियमित सफाई, कीटनाशक छिड़काव और फॉगिंग नहीं होने से कई स्थानों पर कचरे के ढेर लगे हुए हैं। इससे मच्छरों की संख्या बढ़ने और डेंगू तथा मलेरिया जैसी बीमारियों के फैलने की आशंका व्यक्त की जा रही है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि महानगरपालिका द्वारा पूरे शहर में विशेष कीटनाशक छिड़काव, नियमित फॉगिंग तथा मच्छरों के प्रजनन स्थलों को नष्ट करने का अभियान चलाने की बात कही जाती है, लेकिन मुंब्रा देवी कॉलोनी में इन उपायों का अपेक्षित प्रभाव दिखाई नहीं दे रहा है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग से इस क्षेत्र में तत्काल विशेष अभियान चलाने की मांग की है।

नागरिकों ने यह भी मांग की है कि आवासीय सोसायटियों और बस्तियों में जनजागरूकता अभियान चलाकर लोगों को पानी जमा न होने देने, स्वच्छता बनाए रखने और मच्छरों के प्रजनन को रोकने के लिए जागरूक किया जाए।

स्थानीय नागरिकों ने स्वास्थ्य विभाग से अपील की है कि क्षेत्र में नियमित सफाई, कचरा हटाने, कीटनाशक छिड़काव, फॉगिंग तथा स्वास्थ्य जागरूकता अभियान चलाकर संभावित संक्रामक बीमारियों पर समय रहते नियंत्रण सुनिश्चित किया जाए।

थर्ड ग्रेड शिक्षकों के स्थानांतरण सहित 7 सूत्री मांगों को लेकर फलोदी में प्रदर्शन, मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

चमकता राजस्थान। अनिल सैन/फलोदी। 21 जुलाई। राजस्थान पंचायतीराज एवं माध्यमिक शिक्षक संघ जिला शाखा फलोदी के बैनर तले सोमवार को जिलाध्यक्ष नरेंद्र देवड़ा के नेतृत्व में सैकड़ों शिक्षकों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन किया तथा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नाम जिला कलेक्टर अंकित कुमार सिंह को 7 सूत्री मांग-पत्र सौंपा। जिलाध्यक्ष नरेंद्र देवड़ा ने बताया कि प्रदेश नेतृत्व के आ''ान पर पूरे राजस्थान में शिक्षकों द्वारा प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपे जा रहे हैं। इसी क्रम में फलोदी जिला शाखा के शिक्षकों ने भी अपनी लंबित मांगों के समाधान की मांग उठाई। ज्ञापन में शिक्षकों ने तृतीय श्रेणी शिक्षकों के स्थानांतरण शीघ्र शुरू करने, पिछले छह सत्रों से लंबित डीपीसी कराने, राज्य सरकार द्वारा जारी पे-प्रोटेक्शन आदेश वापस लेने, वर्ष 2010 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों के लिए टेट परीक्षा की अनिवार्यता समाप्त करने, जर्जर एवं जमींदोज स्कूल भवनों के पुनर्निर्माण, कर्मचारियों पर लागू आर्थिक नाकेबंदी समाप्त करने तथा स्टाफिंग पैटर्न सहित अन्य समस्याओं का त्वरित समाधान करने की मांग की। शिक्षक संघ ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि राज्यभर के तृतीय श्रेणी शिक्षकों में बढ़ते आक्रोश को देखते हुए इन मांगों का शीघ्र समाधान किया जाए। इस दौरान उपस्थित प्रमुख शिक्षक नेता एवं सदस्यः जिलाध्यक्ष नरेंद्र देवड़ा, वरिष्ठ नेता देवीदान चारण, जिला मंत्री अमित मीणा, रेवत लीलावत, अशोक मीणा, मोहम्मद हैदर, कंवरलाल बिश्नोई, भीमसेन पंचारिया, शिवनाथ बिश्नोई, शेराराम बिश्नोई, सवाईसिंह राठौड़, जोधाराम, समिता, मंजू, ममता।

राजस्थान पीड़ित प्रतिकर स्कीम के तहत 9.75 लाख रुपये की प्रतिकर राशि स्वीकृत

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की बैठक में 10 आवेदनों पर हुआ विचार

चमकता राजस्थान।

रिवेन्द्र कुमार शर्मा/दौसा। जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष केशव कौशिक की अध्यक्षता में मंगलवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की बैठक आयोजित की गई। बैठक में राजस्थान पीड़ित प्रतिकर स्कीम, 2011 के तहत प्राप्त आवेदन पत्रों पर विस्तार से विचार-विमर्श करते हुए पात्र पीड़ितों एवं उनके आश्रितों को शीघ्र आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के संबंध में निर्णय लिए गए।

बैठक में राजस्थान पीड़ित प्रतिकर स्कीम के अंतर्गत प्राप्त कुल 10 आवेदन पत्रों पर विचार किया गया। पात्र प्रकरणों में कुल 9 लाख 75 हजार रुपये की प्रतिकर राशि स्वीकृत की गई, जिससे पीड़ितों एवं उनके आश्रितों को समयबद्ध आर्थिक

संबल उपलब्ध कराया जा सकेगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा पीड़ितों को न्याय के साथ-साथ आवश्यक आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से स्कीम का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है।

बैठक में जिला कलक्टर डॉ. सौम्या झा, जिला पुलिस अधीक्षक पीयूष दीक्षित, न्यायाधीश पारिवारिक न्यायालय प्रेम राजेश, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण संतोष अग्रवाल, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट डॉ. ऋचा कौशिक, अतिरिक्त जिला कलक्टर दौसा अरविंद शर्मा, राजकीय अधिवक्ता गोपाल लाल शर्मा तथा अध्यक्ष जिला अभिभाषक संघ कुंज बिहारी शर्मा उपस्थित रहे।

फोटोग्राफर एसोसिएशन ने अस्पताल में डॉक्टरों की अनुपस्थिति पर जताया रोष, उपखण्ड अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

चमकता राजस्थान/गोविंद बामणिया।

मारवाड़ जंक्शन फोटोग्राफर एसोसिएशन विकास समिति, मारवाड़ तहसील ने राजकीय चिकित्सालय मारवाड़ जंक्शन में चिकित्सकों की अनुपस्थिति और चिकित्सा व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर उपखण्ड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा है। फोटोग्राफर साथी हनुमान गिरी के बच्चे को आवारा कुत्ते ने काट लिया था। बच्चे को तत्काल उपचार और एंटी-रेबीज वैक्सीन के लिए राजकीय चिकित्सालय लाया गया, लेकिन सुबह करीब 8:04 बजे तक कोई भी चिकित्सक उपस्थित नहीं था। समय पर इलाज नहीं मिलने से परिजनों को काफी परेशानी हुई और बच्चे को

आगे पाली अस्पताल रेफर करना पड़ा।एसोसिएशन ने ज्ञापन में कहा कि उस समय अन्य लोगों के साथ भी कुत्ते के काटने की घटनाएं हुई थीं, लेकिन डॉक्टरों के नहीं होने से किसी को भी समय पर उपचार नहीं मिल पाया। उन्होंने इसे गंभीर और चिंताजनक बताते हुए कहा कि अगर सरकारी अस्पताल में समय पर डॉक्टर नहीं मिलेंगे तो आम नागरिक इलाज के लिए कहां जाएगा ज्ञापन में एसोसिएशन ने मांग की कि इस मामले को गंभीरता से लेते हुए चिकित्सालय की चिकित्सा व्यवस्था में आवश्यक सुधार करवाए जाएं, ताकि भविष्य में किसी अन्य नागरिक को ऐसी परेशानी का सामना न करना पड़े।

इसमौके पर हनुमान गोस्वामी, भोपालसिंह राजपुरोहित, राजेन्द्र मालवीय, पिंटू टक्सा, नरेंद्र सिंह केशावत, कालूराम मालवीय, जितेन्द्र नाथ, ओम अग्रवाल, सूरज धुमरा, भुवनेश्वर नाथ भाटी, बबलू भाई, सुरेश सेन , महेंद्र सिंह रत्नावत, उगमसिंह , राकेश देवड़ा, इमरान खान सोढा, गजेन्द्र परिहार, कुलदीप सोलंकी, खींवराज , ललित, वासुदेव नाथ, मांगीलाल राव, मोहम्मद सफी, मांगीलाल सूर्यनगर, लालू भाई राणावास, मुकेश ठाकुरवास, ताराचंद तेली, रवि मालवीय, राकेश राणा, राकेश प्रजापत, सहित काफी फोटोग्राफर भाई उपस्थित थे।

जिला शिक्षा अधिकारी ने किया महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय कोल्वी का निरीक्षण,बीईओ कार्यालय डग में किया वृक्षारोपण

शिक्षकों को विद्यार्थी हित में समर्पण से काम करने के दिए निर्देश

चमकता राजस्थान।

जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक झालावाड़ हेमराज पारेता ने मंगलवार को डग क्षेत्र के महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय कोल्वी का निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालय की शैक्षणिक व सह-शैक्षणिक गतिविधियों, विद्यार्थियों की उपस्थिति, शिक्षण व्यवस्था और समग्र व्यवस्थाओं का जायजा लिया।जिला शिक्षा अधिकारी ने कक्षाओं में जाकर विद्यार्थियों से बातचीत की और शिक्षकों से शैक्षणिक प्रगति की जानकारी ली।उन्होंने विद्यार्थियों के शैक्षिक स्तर को बेहतर बनाने,नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने और गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक शिक्षा उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया।पारेता ने कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और प्रारंभिक शिक्षा को मजबूत बनाने के लिए सभी का सामूहिक प्रयास जरूरी है।उन्होंने शिक्षक

ों को विद्यार्थी हित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पूर्ण समर्पण और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने का आ''ान किया।निरीक्षण के बाद जिला शिक्षा अधिकारी ने मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कार्यालय डग परिसर में वृक्षारोपण किया।इस दौरान उन्होंने पर्यावरण संरक्षण और हरित परिसर के महत्व पर प्रकाश डालते हुए अधिकाधिक पौधारोपण और पौधों के संरक्षण का संदेश दिया।इस अवसर पर मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी राजेन्द्र कुमार जैन,अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी बाबू लाल चौहान,आरपी. कुलदीपक मेवाड़ा,गोपाल लाल वर्मा सहित कार्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।जिला शिक्षा अधिकारी ने सभी अधिकारियों एवं कार्मिकों से विद्यार्थियों के हित में समन्वित प्रयास करते हुए प्रारंभिक शिक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने का आ''ान किया।

रायसिंहनगर में दर्दनाक हादसा: खेत की डिग्गी में डूबने से दो सगे भाइयों की मौत

चमकता राजस्थान। रायसिंहनगर (जिला संवाददाता संजय बिश्नोई) । क्षेत्र के गांव 56 एनपी की रोही में सोमवार को एक हृदयविदारक हादसे में खेत की पानी की डिग्गी में डूबने से दो सगे भाइयों की मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में मातम छा गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, खेत में बनी पानी की डिग्गी में पहले एक भाई अचानक गिर गया। उसे बचाने के लिए दूसरा भाई भी बिना देर किए डिग्गी में उतर गया, लेकिन पानी अधिक गहरा होने के कारण दोनों बाहर नहीं निकल सके और डूबने से उनकी मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों ने गोताखोरों को बुलाया, जिन्होंने काफी प्रयास के बाद दोनों भाइयों के शव डिग्गी से बाहर निकाले।

हादसे की जानकारी मिलते ही रायसिंहनगर और समेजा पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। हादसे के बाद पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है और ग्रामीणों ने पीड़ित परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। वहीं, ग्रामीणों ने खेतों में बनी गहरी पानी की डिग्गियों के आसपास सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया है, ताकि भविष्य में इस तरह की दुखद घटनाओं से बचा जा सके।

NEET-UG 2026 में सुरेश पंवार की शानदार सफलता, ननिहाल परिवार ने किया भव्य सम्मान

चमकता राजस्थान। शेरगढ़ रिपोर्टर रावल सिंह शेरगढ। नीट यूजी 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर बलाड़ निवासी सुरेश पंवार पुत्र गोरखराम पंवार, ने पूरे परिवार, समाज एवं क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है। सुरेश स्वर्गीय लालुराम दहिया लुंबानसर के दोहिता हैं। उनकी इस उल्लेखनीय सफलता पर ननिहाल परिवार में हर्ष का माहौल है।

युवा साथी जगदीश रामूराम दहिया ने बताया की सुरेश शुरू से ही पढ़ाई में होनहार बालक है ,इसी के साथ गौरवपूर्ण उपलब्धि के उपलक्ष्य में ननिहाल परिवार द्वारा सुरेश पंवार का माला पहनाकर, मुँह मीठा कराकर एवं आत्मीय सम्मान के साथ स्वागत किया गया। वहाँ उपस्तिथ देवीलाल ,रामूराम ,रावल,जीवराज,विजय कुमार ,प्रकाश ,जीवराजसिंह,प्रेम,छगन लाल ,महेंद्र,दुर्गेश,नकतैश,चेतन सैन एव समस्त परिवार के सभी सदस्यों ने उनकी मेहनत, लगन और सफलता की सराहना करते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं।

परिवारजनों ने ईश्वर से प्रार्थना की कि सुरेश पंवार जीवन में निरंतर नई ऊँचाइयाँ प्राप्त करें, एक योग्य एवं सेवाभावी डॉक्टर बनकर अपने माता-पिता, ननिहाल परिवार तथा पूरे समाज का नाम रोशन करें।

इस अवसर पर पूरे ननिहाल परिवार ने सुरेश पंवार को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाएँ व्यक्त कीं।

गुढ़ा आशिकपुरा में वर्षों पुरानी समस्या का समाधान, जमाबंदी में नाम शुद्धिकरण से मिला सही अधिकार

ग्रामीण सेवा शिविर फॉलो-अप कैम्प

चमकता राजस्थान।

रिवेन्द्र कुमार शर्मा/दौसा। राज्य सरकार के निर्देशानुसार ग्राम पंचायत गुढ़ा आशिकपुरा में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर फॉलो-अप कैम्प एक बार फिर आमजन के लिए राहत का माध्यम बना। शिविर में वर्षों से राजस्व अभिलेख की त्रुटि से परेशान कृषक श्रीचंद गुर्जर की समस्या का मौके पर समाधान करते हुए जमाबंदी में उनके पिता के नाम का शुद्धिकरण कर सही प्रविष्टि दर्ज की गई।

ग्राम नूरपुर निवासी श्रीचंद गुर्जर की जमाबंदी में उनके पिता का

नाम रामप्रसाद गुर्जर दर्ज था, जबकि सही नाम रामप्रताप गुर्जर है। इस त्रुटि के कारण उन्हें भूमि संबंधी कार्यों, सरकारी योजनाओं का लाभ लेने तथा अन्य राजस्व प्रक्रियाओं में लगातार कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था।

ग्रामीण सेवा शिविर फॉलो-अप कैम्प में उन्होंने आवश्यक दस्तावेजों के साथ आवेदन प्रस्तुत किया। राजस्व अधिकारियों ने दस्तावेजों का परीक्षण एवं सत्यापन कर नियमानुसार कार्रवाई करते हुए जमाबंदी में पिता के नाम का शुद्धिकरण कर सही प्रविष्टि दर्ज कर दी।

नाम शुद्धिकरण के बाद अब श्रीचंद गुर्जर को अपनी भूमि संबंधी अधिकारों का निर्विघ्न लाभ मिल सकेगा। साथ ही भविष्य में नामांतरण, फसल बीमा, बैंक ऋण, मुआवजा तथा अन्य राजस्व संबंधी कार्यों में किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा।

धरियावद थाना परिसर में सीएलजी बैठक सम्पन्न, अस्थायी पुलिस चौकी खोलने की मांग उठी क्यों कि उदयपुर जिले मे था

चमकता राजस्थान।

धरियावद। थाना परिसर में जिला पुलिस कप्तान विशाल जांगिड़ के आदेश पर धरियावद सी ओ सर्कल के पुलिस उप अधीक्षक नाना लाल सालवी कि अध्यक्षता मे धरियावद थानाधिकारी हजारी लाल मीणा पुलिस प्रशासन द्वारा सीएलजी (कम्युनिटी लाइजनिंग ग्रुप) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, जनप्रतिनिधियों एवं सीएलजी सदस्यों ने भाग लेकर कानून-व्यवस्था, यातायात एवं जनसुरक्षा से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। बैठक के दौरान आमजन ने नगर के मुख्य बस स्टैंड एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्र में बढ़ते यातायात दबाव और कानून-व्यवस्था को देखते हुए अस्थायी पुलिस चौकी पुनः शुरू करने की मांग प्रमुखता से उठाई।

नागरिकों ने कहा कि पुलिस चौकी शुरू होने से यातायात व्यवस्था सुचारु रहेगी, बाजार क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ेगी तथा आपात स्थिति में पुलिस की त्वरित सहायता मिल सकेगी। पुलिस अधिकारियों ने बैठक में प्राप्त सुझावों और मांगों पर सकारात्मक विचार कर उन्हें उच्च अधिकारियों तक पहुंचाने का आश्वासन दिया। साथ ही आमजन से कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तत्काल सूचना देने की अपील की।

बैठक सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुई, जिसमें जनहित से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

वही अब पुलिस ने बताया कि जो भी यातायात नियमों का उलघ्न करते पाया गया उसको नहीं बक्सा जायेगा जो अतिक्रमण कर रहे उनके ऊपर भी कार्यवाही कि जाएगी जिसके जिम्मेदार स्वयं रहेंगे।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान,
मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) कार्यकारी संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929